Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

विश्व परिवार

● अंक : 97 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, शनिवार 28 सितंबर 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

एक-दूसरे के दुख में सहभागीदार होना ही सही व्यवहारिकता है।

To share each others's grief is the right practicability.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रेवाड़ी में जनसभा को किया संबोधित

रेवाड़ी (आरएनएस)। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रेवाड़ी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ये कांग्रेस हमेशा सेना का अपमान करती है। यही कांग्रेस पार्टी है जिसने सेना अध्यक्ष को गुंडा कहने का दुस्साहस किया था। कांग्रेस ने कभी सेना का सम्मान नहीं किया, उन्होंने भ्रांतियां फैलाने का काम किया। अभी एक भ्रांति फैला रहे हैं कि अग्निवीर से जो बच्चे वापस आएंगे उन्हें वैसे ही छोड़ दिया जाएगा... हरियाणा का एक भी अग्निवीर पेंशन वाली नौकरी के बिना नहीं रहेगा। ये भाजपा का वादा है। भारत सरकार और हरियाणा सरकार मिलकर जितने भी अग्निवीर आएंगे सभी को पक्की पेंशन वाली सरकार नौकरी देने का निर्णय पीएम मोदी ने लिया है।

एनआईए की बड़ी कार्रवाई, राजौरी समेत कई जिलों में छापेमारी

नई दिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने जम्मू और कश्मीर के शिव खोरी मंदिर से लौट रहे तीर्थयात्रियों की बस पर जून में हुए आतंकी हमले की जांच के मामले में शुक्रवार सुबह राजौरी और रियासी जिलों में कई जगहों पर छापेमारी की। 9 जून को आर्तकियों ने बस पर गोलीबारी की थी। इस आतंकी हमले में 7 तीर्थयात्रियों समेत 9 लोगों की मौत हो गई थी। जबकि 41 लोग घायल हो गए थे।

मुख्यमंत्री ने दुर्ग नगर निगम क्षेत्र के लिए 23 करोड़ की लागत के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

राज्य सरकार गांवों के साथ-साथ शहरों के विकास के लिए दृढ़ संकल्पित : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

- इंदिरा मार्केट में मल्टीलेवल पार्किंग निर्माण, साईंस कॉलेज से दुर्ग रेलवे स्टेशन केनाल रोड सड़क चौड़ीकरण, चण्डी मंदिर से नया पारा चौक तक सड़क चौड़ीकरण की घोषणा
- शहर के प्रमुख चौराहों पर होगा पिंक शौचालय का निर्माण

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज दुर्ग नगर के वार्ड नंबर-03 मठपारा में आयोजित विकास कार्यों के भूमिपूजन कार्यक्रम में दुर्ग के इंदिरा मार्केट में मल्टीलेवल पार्किंग निर्माण, साईंस कॉलेज से रेलवे स्टेशन केनाल रोड सड़क चौड़ीकरण, चण्डी मंदिर से नया पारा चौक तक सड़क चौड़ीकरण की घोषणा की। उन्होंने नगर के प्रमुख चौराहों में महिलाओं के लिए पिंक शौचालय के निर्माण की भी घोषणा की। सांसद एवं स्थानीय विधायक की मांग पर मुख्यमंत्री ने ये घोषणाएं की। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में दुर्ग नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत 22 करोड़ 97 लाख की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार गांवों के साथ-साथ शहरों के विकास के लिए दृढ़ संकल्पित है। आज दुर्ग नगर निगम क्षेत्र में एक साथ लगभग 23 करोड़ रूपए की लागत के कार्यों का एक साथ भूमिपूजन किया गया, यह विकास के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता की झलक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी पर विश्वास करके आम जनता ने हमें सरकार बनाने का मौका दिया। जनता ने हमें जो आशीर्वाद दिया है, मैं उनके प्रति धन्यवाद ज्ञापित करने के लिए आया हूं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि बीते 9 माह पर नजर डाले तो राज्य सरकार ने किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए कम समय में बहुत से उल्लेखनीय काम किए हैं। उन्होंने कहा कि जरूरमंद परिवारों के लिए प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत 18 लाख घरों का निर्माण किया जाएगा। महिला सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए महतारी वंदन योजना के तहत लगभग 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह 1000 हजार रूपए की दर से वार्षिक 12 हजार रूपए आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। तेंदूपत्ता संग्रहण दर को 4000 रुपए प्रति मानक बोरा से बढ़ाकर 5500 रूपए प्रति मानक बोरा किया गया है। प्रदेशवासियों को रामलला दर्शन योजना के तहत अयोध्या धाम यात्रा करायी जा रही है। जिसका लाभ छत्तीसगढ़ के श्रद्धालु उठा रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि आज का यह अवसर बहुत इन्तजार के बाद आया है। प्रदेश में नगरों के विकास के लिए पैसे की कोई कमी नहीं होगी। 43 करोड़ 67 लाख के 167 कार्य पहले ही स्वीकृत हो गये हैं। उन्होंने कहा कि आज दुर्ग वासियों को बहुत बड़ी सौगात मिली है। इसके लिए उन्होंने दुर्ग वासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री साय द्वारा विकास कार्यों का भूमिपूजन

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दुर्ग नगर क्षेत्र में लगभग 23 करोड़ रूपए की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इन कार्यों में 1 करोड़ 98 लाख 39 हजार रूपए लागत के उरला में खेल मैदान का विकास कार्य, 88 लाख 47 हजार रूपए लागत के सड़क सुरक्षा हेतु राजेन्द्र पार्क चौक में विकास कार्य, 1 करोड़ 66 लाख 02 हजार रूपए लागत के विभिन्न स्थानों में वृक्षारोपण कार्य, 1 करोड़ 35 लाख 41 हजार रूपए लागत के विभिन्न वार्डों में 8 स्थानों पर डामरीकरण व 1 स्थान पर पेवर ब्लॉक, 1 करोड़ 99 लाख 43 हजार रूपए लागत के गया नगर 33 के.वी. पावर स्टेशन के पास डॉ. बी.आर. अम्बेडकर सर्वसमाज मांगलिक भवन निर्माण कार्य, 49 लाख 98 हजार रूपए लागत के वार्ड क्रमांक 15 सतनाम भवन आयुर्वेदिक अस्पताल के पीछे सांस्कृतिक भवन निर्माण कार्य, 8 करोड़ 33 लाख रूपए लागत के शहर के विभिन्न वार्डों में कुल 59 कार्य (सड़क, नाली पुलिया निर्माण), 2 करोड़ 72 लाख 37 हजार रूपए लागत के वार्ड क्रमांक 32 शिक्षक नगर में वाटर सप्लाई पार्ट ए एवं बी, 25 लाख रूपए लागत के राजेन्द्र पार्क चौक पर भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्थापना, 50 लाख रूपए लागत के गोंडवाना भवन के प्रथम तल में अतिरिक्त हॉल निर्माण कार्य, 2 करोड़ 14 लाख रूपए लागत के विधायक निधि अंतर्गत विभिन्न विकास कार्य तथा 65 लाख रूपए लागत के प्रभारी मंत्री निधि अंतर्गत विभिन्न विकास कार्य का भूमिपूजन शामिल है।

पीएम मोदी ने मौसम और जलवायु अनुसंधान के लिए तैयार उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) प्रणाली का किया उद्घाटन

नई दिल्ली (पीआईबी)। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा अधिग्रहित, मौसम और जलवायु अनुसंधान के लिए तैयार उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) प्रणाली का उद्घाटन किया है।

इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर 850 करोड़ रुपये निवेश किए गए हैं। यह परियोजना विशेष रूप से चरम घटनाओं के लिए अधिक विश्वसनीय और सटीक मौसम और जलवायु पूर्वानुमान के लिए भारत की कम्प्यूटेशनल क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण छलांग है। यह दो प्रमुख स्थलों पर स्थित है ङ्क पुणे में भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) और नोएडा में राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र (एनसीएमआरडब्ल्यूएफ)।

आईआईटीएम सिस्टम 11.77 पेटा फ्लॉप्स और 33 पेटाबाइट स्टोरेज की प्रभावशाली क्षमता से लैस है, जबकि एनसीएमआरडब्ल्यूएफ सुविधा में 8.24 पेटा फ्लॉप्स और 24 पेटाबाइट स्टोरेज की सुविधा है। इसके अतिरिक्त, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग अनुप्रयोगों के लिए 1.9 पेटा फ्लॉप्स की क्षमता वाला एक समर्पित स्टैंडअलोन सिस्टम है। इसके साथ, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की कुल कंप्यूटिंग शक्ति 22 पेटा फ्लॉप्स तक बढ़ जाएगी, जो 6.8 पेटा फ्लॉप्स की पिछली क्षमता से पर्याप्त वृद्धि है। परंपरा के अनुसार, इन अत्याधुनिक प्रणालियों का नाम सूर्य से जुड़ी खगोलीय इकाइयों के नाम पर रखा गया है। पिछली प्रणालियों का नाम आदित्य, भास्कर, प्रत्युष और मिहिर रखा गया था। नई एचपीसी प्रणालियों को 'अर्क' और 'अरुणिका' नाम दिया गया है।

रेल्वे का बड़ा ऐलान : दीपावली-छठ के लिए चलेंगी 10 हजार से ज्यादा स्पेशल ट्रेन, 1 करोड़ यात्रियों को मिलेगी सुविधा

नई दिल्ली (आरएनएस)। दीपावली और छठ पूजा के दौरान ट्रेन में यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे ने 10 हजार से ज्यादा स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है। इसके अलावा, सौ से ज्यादा ट्रेनों में जनरल कोच बढ़ाने का भी फैसला लिया गया है। रेलवे के इस फैसले से करीब एक करोड़ यात्रियों को सुविधा मिलेगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह जानकारी दी।

वैष्णव ने शुक्रवार को जानकारी दी कि रेलवे ने दीपावली और छठ पूजा को ध्यान में रखते हुए विशेष तैयारियां की हैं। रेलवे करीब 108 ट्रेनों में जनरल कोच बढ़ाने जा रही है, ताकि अधिक से अधिक यात्रियों को सफर करने का अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि दीपावली और छठ पूजा के दौरान 12,500 विशेष ट्रेनों का संचालन करने की मंजूरी दी गई है। इसके अतिरिक्त, 2024-2025 में 5,975 ट्रेनें अधिसूचित की गई हैं। रेलवे के अनुसार, इससे 1 करोड़ से अधिक यात्रियों को दीपावली और छठ पूजा की भीड़ के दौरान घर जाने की सुविधा मिलेगी। आपको बताते चलें, साल 2023 और 2024 में पूजा विशेष ट्रेनों की संख्या 4,429 थी। इससे पहले 25 सितंबर को आनंद विहार से बरौनी के बीच स्पेशल ट्रेन चलाने की बात कही। स्पेशल ट्रेन 6 अक्टूबर से शुरू होकर 17 नवंबर तक चलेगी। ट्रेन एसी स्पेशल होगी, जो आनंद विहार से लखनऊ होते हुए बरौनी पहुंचेंगी। ट्रेन सुबह 9 बजे आनंद विहार से चलेगी और अगले दिन सुबह 6ः30 बजे बरौनी पहुंचेगी। एसी स्पेशल ट्रेन अलीगढ़, टूंडला, इटावा, कानपुर, लखनऊ, सुल्तानपुर, जौनपुर, गाजीपुर सिटी, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा और हाजीपुर में रुकेंगी। इस ट्रेन में 16 थर्ड एसी, 2 पावर कार समेत 18 कोच होंगे।

उभरते शहरों की अपेक्षाओं और भावी जरूरतों के मुताबिक करें विकास : मंत्री अरुण साव

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नगर पंचायतों के कार्यों की समीक्षा, दिए सख्त निर्देश

वार्ड भ्रमण कर सुबह साफ-सफाई और निर्माण कार्यों का निरीक्षण नहीं करने वाले अधिकारियों पर जताई नाराजगी, कहा- शासन के निर्देशों का गंभीरता से पालन करें अधिकारी

रायपुर (विश्व परिवार)। उपमुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने आज वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों के साथ राज्य के सभी नगर पंचायतों के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने रायपुर के नवीन विश्राम भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों और अभियंताओं को प्रदेश के नए उभरते शहरों की अपेक्षाओं और भावी जरूरतों के मुताबिक विकास कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को नागरिकों से अच्छा व्यवहार और लहजा रखने को कहा। उन्होंने लोगों की समस्याओं और जरूरतों को गंभीरता से सुनकर उनका त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने नगरीय प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार सवेरे वार्ड भ्रमण कर साफ-सफाई और निर्माण कार्यों का नियमित निरीक्षण नहीं करने वाले अधिकारियों पर बैठक में गहरी नाराजगी जताई।

उन्होंने सभी अधिकारियों को शासन के निर्देशों का गंभीरता से पालन करने को कहा। उन्होंने भविष्य की जरूरतों के अनुरूप कस्बों और छोटे शहरों की विकास की कार्ययोजना बनाने के निर्देश मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को दिए। उन्होंने लोगों का जीवन आसान और सुविधाजनक बनाने वाले कार्यों को डेवलपमेंट प्लान में शामिल करने को कहा। श्री साव ने अच्छा काम करने वाले नगर पंचायतों की पीठ थपथपाते हुए अन्य नगर पंचायतों को उनकी अच्छी और प्रभावी कार्य प्रणाली का अनुसरण करने को कहा।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने बैठक में कहा कि शहरों के विकास और वहां जन सुविधाएं विकसित करने के काम में लापरवाही और गुणवत्ताहीन कार्यों को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जवाबदेही तय कर इस तरह के कार्यों के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को पूरा सम्मान देते हुए शहर की बेहतरी के लिए उनकी बातों को गंभीरता से सुनने को कहा। श्री साव ने नगर पंचायतों के साथ ही विभाग के क्षेत्रीय (संभागीय) कार्यालयों में पदस्थ अभियंताओं को सक्रियता और जिम्मेदारी से काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने क्षेत्रीय कार्यालयों के कार्यपालन अभियंताओं को सप्ताह में तीन दिन नगर पंचायतों का दौरा कर निर्माण कार्यों का निरीक्षण, भौतिक सत्यापन और गुणवत्ता की जांच करने की बात कही।

विश्व पर्यटन दिवस पर बस्तर के चित्रकोट और ढूढमारस गांवों को मिला विशेष सम्मान, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दी बधाई

रायपुर (विश्व परिवार)। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ को पर्यटन के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए भारत सरकार ने सम्मानित किया है। बस्तर के चित्रकोट और ढूढमारस गांवों को भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा आयोजित बेस्ट टूरिज्म विलेज प्रतियोगिता 2024 में विशेष सम्मान से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किया। चित्रकोट को सामुदायिक पर्यटन मॉडल के लिए और ढूढमारस को एडवेंचर पर्यटन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए यह सम्मान दिया गया है।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने चित्रकोट और ढूढमारस ग्राम के लोगों और पर्यटन विभाग की टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान छत्तीसगढ़ को एक प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने की हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूती देता है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि से राज्य के पर्यटन उद्योग को और गति मिलेगी। इसके लिए राज्य में वेलनेस टूरिज्म, एडवेंचर टूरिज्म और सांस्कृतिक धरोहर को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं।

गौरतलब है कि, इन दोनों स्थानों पर पर्यटन को बढ़ावा देने में स्थानीय समुदाय का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। ढूढमारस गांव अपनी रोमांचक एडवेंचर गतिविधियों के लिए पर्यटकों को आकर्षित करता है, जबकि चित्रकोट का जलप्रपात अपने प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक धरोहर के कारण विश्वप्रसिद्ध है। इस सम्मान से इन दोनों पर्यटन स्थलों की पहचान और भी व्यापक हो गई है।

भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा दिए गए इस पुरस्कार को प्राप्त करने के लिए छत्तीसगढ़ पर्यटन विभाग के सचिव अन्बलगन पी., छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य, और जंगल सफारी और जू रायपुर के निदेशक गणवीर धम्मशील उपस्थित थे। इसके साथ ही अनएक्सप्लोर्ड बस्तर के संस्थापक जीत सिंह आर्य, और स्थानीय समुदाय के प्रतिनिधि श्री मंसिंग बघेल व सोनाधर बघेल (ढूढमारस), तथा श्री खगेश्वर मौर्य व श्री सुकमन कश्यप (चित्रकोट) भी इस सम्मान को प्राप्त करने के लिए मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने किया धरना प्रदर्शन एवं रैली

जशपुर (विश्व परिवार)। चार सूत्रीय माँगों केंद्र के समान महँगाई भत्ता देय तिथि से, केंद्र के समान गृह भाड़ा भत्ता, चार स्तरीय वेतनमान एवं मध्यप्रदेश के समान 300 दिनों का अवकाश नकदीकरण को लेकर छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने प्रांतीय आह्वान पर चार चरण के आंदोलन के अंतिम चरण में जिला मुख्यालय जशपुर में धरना, प्रदर्शन एवं रैली का आयोजन कर मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन के नाम ज्ञापन सौंपा।विदित हो कि छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन राज्य के 112 मान्यताप्राप्त एवं गैर मान्यता प्राप्त कर्मचारियों का प्रतिनिधि संगठन है। मोर्चे के आह्वान पर सभी विभागों के कार्यालयों में तालाबंदी सहित स्कूलों की व्यवस्था भी ठप्प रही।चार चरण के आंदोलन के प्रथम चरण में राजधानी में मशाल रैली, द्वितीय चरण में जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन, तृतीय चरण में विकासखंड मुख्यालयों में मशाल रैली तथा चतुर्थ चरण में जिला मुख्यालयों में धरना तथा प्रदर्शन आयोजित हुए।जशपुर जिला मुख्यालय के आंदोलन में फेडरेशन के सरंक्षक विनोद गुप्ता, जिला संयोजक संतोष टांडे, महासचिव राजेश अम्बस्थ, कोषाध्यक्ष ओ पी भारती, शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष संजीव प्रसाद, वन कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष अविनाश शर्मा, तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष सोहन भगत, संयुक्त शिक्षक संघ के उप प्रांताध्यक्ष अर्जुन रत्नाकर, क्रांतिकारी शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अनिल बेहरा, फेडरेशन के कुनकुरी संयोजक अरविंद मिश्रा, जशपुर संयोजक संजय दास, पत्थलगांव संयोजक भीमसेन स्वर्णकार, बगीचा संयोजक बालदेव ग्वाला, दुलदुला संयोजक नेहरू सोनी सहायक प्राध्यापक संघ के सुनील चौहान सहित राजस्व विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पंचायत विभाग, कृषि विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी आदि अनेक विभाग के कर्मचारी एवं अधिकारी सम्मिलित रहे।माँग पूरी न होने पर फेडरेशन ने अनिश्चितकालीन आंदोलन पर जाने का संकेत दिया है।

डॉ. हेमंत साहू अ.भा.तै. साहू महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी में हुए शामिल

नवापारा राजिम (विश्व परिवार)। पिछले दिनोंअखिल भारतीय तैलिक (साहू) महासभा (चिकित्सा प्रकोष्ठ)की बैठक संपन्न हुआ।

जिसमें राष्ट्रीय कार्यकारिणी(चिकित्सा प्रकोष्ठ)की घोषणा की गई।जिसमें अखिल भारतीय तैलिक (साहू) महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष (चिकित्सा प्रकोष्ठ)डॉ.आशा गुप्ता, राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ.विकास साहू, राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ.आकांक्षा साहू, के साथ साथ दंत रोग विशेषज्ञ डॉ.हेमंत साहू को अखिल भारतीय तैलिक (साहू) महासभा चिकित्सा प्रकोष्ठ के छत्तीसगढ़ से राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य में शामिल किया गया। इस अवसर पर डॉ.हेमंत साहू को प्रदेश साहू संघ के प्रदेश अध्यक्ष टहल सिंह साहू, उपाध्यक्ष भुनेश्वर साहू, रायपुर ग्रामीण विधायक मोती लाल साहू, अभनपुर विधायक इंद्र कुमार साहू, राजिम विधायक रोहित साहू, पूर्व मंत्री चंद्रशेखर साहू, पूर्व सांसद चंदूलाल साहू, साहू समाजभामाशाह समिति के अध्यक्ष मेघनाथ साहू, रतिराम साहू, अध्यक्ष रमेश साहू, उपाध्यक्ष भगवत साहू, परदेसी राम साहू, छन्नू राम साहू, संजय साहू, डॉ.रामकुमार साहू, डॉ महेंद्र साहू, डॉरमेश सोसायटी, डॉ लीलाराम साहू, डॉ.ओंकार साहू, डॉ.दिलीप साहू, डॉ.फुल जी साहू, डॉ.तोशन साहू, वैदराज ओम प्रकाश साहू सहित बड़ी संख्या में समाजिक जनो ने बधाई दी है।

विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा पर्व में शामिल होने वन मंत्री केदार कश्यप को सांसद ने दिया न्यौता

रायपुर (विश्व परिवार)। वन एवं सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप को उनके निवास कार्यालय में बस्तर के सांसद एवं बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष श्री महेश कश्यप के साथ प्रतिनिधिमण्डल ने सौजन्य मुलाकात कर बस्तर दशहरा पर्व में शामिल होने के लिए आमंत्रण दिया। मंत्री श्री कश्यप ने सभी आवश्यक तैयारियां की जानकारी ली तथा सफल आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएं भी दी। मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि यह पर्व खास तौर पर यहां की आदिवासी संस्कृति देवी दंतेश्वरी की पूजा और बस्तर राजवंश की परंपराओं से जुड़ा हुआ है। यह त्यौहार बस्तर की सांस्कृतिक विविधता और धार्मिक आस्था का प्रतीक है इसे देखने के लिए देश-विदेश के लोग आते हैं।

खिलाड़ियों को आवासीय प्रशिक्षण, पढ़ाई और अच्छे पोषण के साथ मिलेगी विश्व स्तरीय खेल सुविधाएं : मुख्यमंत्री

हमारा लक्ष्य है विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धाओं में मेडल जीतें प्रदेश के खिलाड़ी, सीएम विष्णुदेव साय ने खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कार्यों की समीक्षा की

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रदेश में प्रचलित 8-10 महत्वपूर्ण खेलों को चिन्हांकित कर खिलाड़ियों को आवासीय प्रशिक्षण, पढ़ाई और अच्छे पोषण के साथ विश्वस्तरीय खेल सुविधाएं उपलब्ध कराएं। हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में मेडल जीते, हम इसी लक्ष्य के साथ खेल सुविधाओं के विस्तार पर काम कर रहें हैं। हमें अपनी खेल प्रतिभाओं को विश्व पटल पर लेकर जाना है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज अपने निवास कार्यालय में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कार्यों की समीक्षा उपरांत अधिकारियों को निर्देशित करते हुए यह बातें कहीं। इस दौरान खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री टंकराम वर्मा मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों से प्रदेश में मौजूद खेल अधोसंरचनाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सरगुजा से लेकर बस्तर तक युवाओं में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है, हमें उसे निखारने की आवश्यकता है। श्री साय ने अधिकारियों से केन्द्रीय स्तर पर स्वीकृति के लिए भेजे प्रस्ताव की जानकारी सूचीबद्ध कर उपलब्ध कराने को कहा ताकि अपने दिल्ली प्रवास के दौरान इन पर चर्चा की जा सके।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश में खेलो इंडिया सेंटर के संचालन के संबंध में जानकारी ली और अधिकारियों को इसका सतत निरीक्षण करने को कहा। श्री साय ने एनटीपीसी के सहयोग से जशपुर जिले के सन्ना में तैयार होने वाले नेशनल आर्चरी अकादमी का जिक्र करते हुए कहा कि इस पहल से इस दूरस्थ इलाके का विकास होगा, साथ ही इस इलाके में रहने वाले पहाड़ी कोरवा, जो स्वाभाविक रूप से तीरंदाजी में माहिर होते हैं, उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर भी मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने नियद नेल्ला नार योजना अंतर्गत नक्सल प्रभावित इलाकों में खेल सुविधा बढ़ाने के उद्देश्य से लिए निर्णयों के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने खिलाड़ियों के हितों को ध्यान में रखते हुए हाल ही में महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को फलने फूलने का पूरा अवसर मिले, हमें यह सुनिश्चित करना है।

53 ठेकेदारों को पेनाल्टी के साथ कार्यों में दी समय वृद्धि की अनुमति

कलेक्टर की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन अंतर्गत जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक हुई सम्पन्न

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कलेक्टर दीपक सोनी की अध्यक्षता में संयुक्त जिला कार्यालय में जल जीवन मिशन अंतर्गत जिला जल एवं स्वच्छता मिशन समिति की बैठक सम्पन्न हुई। कलेक्टर ने कामकाज में धीमी प्रगति नाराजगी जताते हुए कामकाज में गति लाने के निर्देश दिए है। इसके साथ ही जिले में 106 कार्यों के लगभग 53 कन्सट्रक्शन कम्पनीयों को पेनाल्टी के साथ उनके कार्य में समय वृध्दि कर अनुमति प्रदान की गई है। कलेक्टर ने श्री सोनी ने दो टूक कहा कि जल जीवन मिशन में किसी भी की तरह की कार्यो में लापरवाही बरदास्त नहीं किए जायेगी।

उन्होनें कहा कि जल जीवन मिशन के तहत कार्य शुरू होने से पहले इंजीनियर यह सुनिश्चित कर लें कि सम्बंधित गांव में जल स्त्रोत की उपलब्धता हो। बिना जल स्त्रोत उपलब्धता के कोई भी काम शुरू न होने दें। सभी इंजीनियर ठेकेदार द्वारा कराए जा रहे कार्यों का मॉनिटरिंग करें और प्रगति के लिए लगातार फॉलो अप करते रहें। पाईप लाईन के बिछाने के कार्य के साथ ही साथ टंकी निर्माण का कार्य भी शुरू करें जिससे समय पर सभी काम पूरा हो सके। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर जल स्त्रोत व बिजली की समस्या है वहां स्थल भ्रमण कर जांच करें। उन्होंने कार्य पूर्ण होने के बाद हैंड ओवर लेने में सरपंचों के द्वारा रुचि नही लेने के मामले पर भी आवश्यक समन्वय करने के निर्देश अधिकारियो को दिए।

कलेक्टर ने पाइप लाइन बिछाने के लिए खोदे जाने वाले गड्ढों को खुला छोड़ने की स्थित को गंभीरता से लेते हुए गड्ढों की पुन: भराई कराने के निर्देश ठेकेदारों को दिए। उन्होंने कहा कि पाईप लाइन बिछाने के लिए यथासंभव सड़को की खुदाई से बचाया जाए। इसके साथ ही जिन ग्राम पंचायतों में जल जीवन मिशन का कार्य किया जा रहा है वहां पर शत प्रतिशत ग्राम पंचायत, छात्रावास, स्कूल, हास्पिटल, आंगनबाड़ी केन्द्रों में शतप्रतिशत रनिंग वाटर सप्लाई पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए है। साथ ही विभागीय अधिकारियों को अपने-अपने जांच कर रनिंग वाटर उपलब्धता संबंधित प्रतिवेदन प्रस्तुत करने कहा गया है। इसके साथ ही कलेक्टर ने विभाग द्वारा किए जा रहे पानी टंकी निर्माण एवं हर घर जल योजना में हो रहे कार्य की प्रशंसा की है। जिला कार्यालय को प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के कुल 736 ग्रामों में कुल 616 पानी टंकी स्वीकृति की गई है। जिसमें से 265 पानी टंकी का निर्माण पूर्ण हो गया है एवं 334 पानी टंकी निर्माण प्रगतिरत है आने वाले एक महिने के भीतर लगभग 100 पानी टंकीयां पूरी तरह बनकर तैयार हो जायेगी। उक्त बैठक में जल जीवन मिशन की अनुबंधित कार्यों की समय वृध्दि में स्वीकृति, अन्य सम्पादित कार्यों की आंनलाईन डिमांड अनुमोदन एवं गिरौदपुरी समूह जल प्रदाय योजना के कार्य शामिल रहे। उक्त बैठक पीएचई के कार्यपालन अभियंता मनोज ठाकुर, सभी एसडीओ, सब इंजीनियर, सहित अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

प्रशासन की सख्ती से तीन माह में सड़क दुर्घटना में आयी कमी, फिर भी स्थिति है चिंताजनक

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कलेक्टर दीपक सोनी की अध्यक्षता एवं जिला पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल की उपस्थिति में आज सँयुक्त जिला कार्यालय के सभागार में सड़क सुरक्षा बैठक संपन्न हुई। पिछले तीन माह से पुलिस प्रशासन एवं परिवहन विभाग के द्वारा हुए सख्त कार्रवाई से गत वर्ष की तुलना में सड़क दुर्घटना में कमी आयी है.फिर भी स्थिति है चिंताजनक है। गत वर्ष जहा उक्त तीन माह में 131 सड़क दुर्घटना में 68 व्यक्ति मृत एवं 96 घायल हुए थे वहीं इस वर्ष तीन माह में 119 सड़क दुर्घटना में 40 व्यक्ति मृत एवं 102 घायल है। पुलिस प्रशासन द्वारा विशेष अभियान चलाकर 1 जनवरी से सितंबर तक कुल 17, 943 वाहनों पर चालानी कार्रवाई कर 81 लाख 51 हजार 600 रूपये समन शुल्क वसुल किये जा चुके है। उसी तरह

इंटरसेप्टर वाहन की मदद से माह जुलाई, 2024 तथा अगस्त, 2024 में ओव्हर स्पीड / खतरनाक ढंग/ शराब पीकर वाहन चालन / इत्यादि धाराओं पर कार्रवाई कर कुल 223 प्रकरण में से 8 लाख 65 हजार रूपये वसूली की गई है। साथ ही साथ परिवहन उड़नदस्ता द्वारा सितंबर माह तक जिले मेंकुल 18, 950 चालान संख्या पर कार्रवाई कर 3 करोड़ 16 लाख 75,300 रूपये समझौता शुल्क वसूल किये जा चुके है। इसके अतरिक्त जिला परिवहन विभाग द्वारा 4 वाहनों पर कार्रवाई कर 98 हजार रूपये समन शुल्क वसूल किये जा चुके है। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 27 वाहन चालकों का ड्रायविंग लायसेंस निलंबन / निरस्तीकरण की कार्रवाई की गई है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को बस्तर दशहरा कार्यक्रम में शामिल होने का मिला न्यौता

15 अक्टूबर को होगा मुरिया दरबार का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से कल यहां उनके निवास कार्यालय में आए बस्तर दशहरा समिति के सदस्यों ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने बस्तर दशहरा पर्व-2024 में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री को न्यौता दिया। मुख्यमंत्री ने दशहरा पर्व के आमंत्रण के लिए समिति के पदाधिकारियों को धन्यवाद दिया। प्रतिनिधिमंडल ने पारम्परिक पागा पहनाकर मुख्यमंत्री का सम्मान किया।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को बताया कि 75 दिनों तक चलने वाला यह पर्व हरेली अमावस्या से लेकर अश्विन शुक्ल पक्ष के 13वें दिन तक मनाया जाता है। इस वर्ष 4 अगस्त को पाटजात्रा पूजा विधान के साथ इस पर्व की शुरुआत हुई है। 2 अक्टूबर को काछनगादी पूजा, 10 अक्टूबर को बेल पूजा तथा 15 अक्टूबर को मुरिया दरबार का आयोजन किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि बस्तर दशहरा पर्व बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक परम्परा व सामजिक समरसता का प्रतीक है। चालुक्य नरेश पुरुषोत्तम देव द्वारा पुरी के जगन्नाथ मंदिर जाकर रथपति की उपाधि के साथ वापस लौटने के प्रतीक स्वरूप रथ उत्सव गोंचा व दशहरा का आयोजन किया गया था।

रायपुर मंडल पर राजभाषा पखवाड़ा 2024 सम्पन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल पर दिनांक 14.09.2024 से 27.09.2024 तक राजभाषा पखवाड़ा का सफल आयोजन किया गया। दिनांक 14.09.2024 को माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित हिंदी दिवस समारोह एवं चतुर्थ अखिल राजभाषा सम्मेलन के साथ ही पूरे देश में राजभाषा पखवाड़ा 2024 का शुभारंभ हुआ।

रायपुर मंडल पर राजभाषा पखवाड़ा 2024 के दौरान अधिकारियों / कर्मचारियों के लिए विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। दिनांक 17.09.2024 को हिंदी पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता, दिनांक 19.09.2024 को हिंदी निबंध एवं टिप्पण आलेखन प्रतियोगिता, दिनांक 20.09.2024 को राजभाषा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, दिनांक 23.09.2024 को हिंदी काव्य पाठ प्रतियोगिता एवं दिनांक 25.09.2024 को हिंदी वाक् प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उक ?त प्रतियोगिताओं में कुल 131 अधिकारियों / कर्मचारियों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त दिनांक 26.09.2024 को ई-टूल '' कंठस्थ 2.0 '' विषय पर एक ऑनलाइन हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, रायपुर के अनुवाद अधिकारी द्वारा उक ?त ई-टूल के संबंध में काफी उपयोगी जानकारी प्रदान की गई। इस कार्यशाला में कुल 27 कर्मचारियों ने भाग लिया। दिनांक 23.09.2024 को हिंदी के प्रख्यात साहित्यकार श्री रामधारी सिंह 'दिनकर' की जयंती भी मनाई गई।

राजभाषा पखवाड़ा के दौरान ही मंडल के विभिन्न स्टेशनों एवं कार्यालयों में गठित राजभाषा कार्यान्वयन समितियों की सितंबर 2024 तिमाही की बैठकें भी आयोजित की गईं।

साथ ही, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर के तत्वावधान में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर के सदस्य कार्यालयों में कार्यरत अधिकारियों / कर्मचारियों के लिए भी दिनांक 19.09.2024 को हिंदी निबंध एवं टिप्पण आलेखन प्रतियोगिता एवं 25.09.2024 को हिंदी वाक् प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सदस्य कार्यालयों के कुल 46 अधिकारियों / कर्मचारियों ने भाग लिया। दिनांक 27.09.2024 को राजभाषा पखवाड़ा 2024 के समापन अवसर पर मंडल के रेल अधिकारियों के लिए राजभाषा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें कुल 20 अधिकारियों ने भाग लिया। इसके पश्चात मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार की अध्यक्षता में मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर की तिमाही बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में अप्रैल-जून 2024 तिमाही के दौरान मंडल में राजभाषा प्रगति की समीक्षा की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में मंडल रेल प्रबंधक ने मंडल पर राजभाषा कार्यों पर संतोष व्यक्त किया तथा इस पर और प्रगति के लिए निरंतर प्रयास करने पर बल दिया। उन्होंने सभी विजेता अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु बधाई दी। बैठक के पश्चात राजभाषा पखवाड़ा 2024 के दौरान आयोजित उक्त हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार के करकमलों द्वारा नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

अंत में राजभाषा अधिकारी श्री निकेश कुमार पाण्डेय ने राजभाषा पखवाड़ा 2024 के आयोजन में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजभाषा विभाग की ओर धन्यवाद ज्ञापित किया तथा कार्यक्रम सामाप्ति की घोषणा की।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./14584/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 26-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14584
वार्ड का नाम-39-स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 39 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR715B00123** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SMT. SHIKHA AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SATYA PRAKASH AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **विवेक बर्वे** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. काशीनाथ बर्वे** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./14515/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 26-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14515
वार्ड का नाम-39-स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 39 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR715F00190** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PATIRAM DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती ..... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **नरेन्द्र देवागंन** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. पतिराम देवांगन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत वसीयतनामा**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./14583/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 26-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14583
वार्ड का नाम-39-स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 39 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR715B00121** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SHREYA AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S.K. AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **साक्षी बर्वे पिता विवेक बर्वे पिता काशीनाथ बर्वे** पिता/पति, श्री/श्रीमती ...... ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./14540/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 26-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14540
वार्ड का नाम-39-स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 39 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR715E00072** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MITHLESH AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SANTOSH AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **आयुष अग्रवाल पिता धरम कुमार अग्रवाल, धरम कुमार अग्रवाल पिता त्रिम्बक नारायण अग्रवाल, आर्तिका अग्रवाल पति धरम कुमार अग्रवाल** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./14541/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 26-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14541
वार्ड का नाम-37-तात्यापारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 37 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR738D00266** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **YASHWANT HOSPITAL SHRIKANT S/O LATE PRABHAKAR RAO RAJIM WALE** पिता/पति, श्री/श्रीमती ..... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **सुजाता राजिमवाले पति श्रीकांत राजिमवाले, गरिमा राजिमवाले पिता श्रीकांत राजिमवाले** पिता/पति, श्री/श्रीमती ...... ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **अपंजीकृत वसीयतनामा** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./14516/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 26-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14516
वार्ड का नाम-39-स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 39 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR715F0190A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PATIRAM DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती ..... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **देवेन्द्र देवांगन** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. पतिराम देवांगन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **अपंजीकृत वसीयतनामा** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./14585/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 26-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14585
वार्ड का नाम-39-स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 39 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR715B00122** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MILIND AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **YUGAL AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **विवेक बर्वे** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. काशीनाथ बर्वे** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./14393/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 26-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14393
वार्ड का नाम-39-स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 39 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR715E00063** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **USHA SHUKLA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **O. P SHUKLA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **नितेश तिवारी, ब्रिजेश तिवारी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **कैलाश प्रसाद तिवारी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर शनिवार 28 सितंबर 2024

भारतीय रेलवे ने नवरात्रि महापर्व पर व्यापक पैमाने पर रेल गाड़ियों को रद्द कर दिया है

नवरात्रि पर अपने घर आने जाने वाले यात्रियों को भारी असुविधा होने जा रही है*

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)- भारतीय रेलवे ने नवरात्रि महापर्व कई रेलवे ट्रेनों को रद्द कर दिया है जिससे नवरात्रि पर्व पर अपने घर आने जाने वाले यात्रियों को काफी परेशानी होने की संभावना है। रेलवे ने नवरात्रि पर रद्द होने वाली रेलगाड़ियों कि सूची जारी कर दी है ।

रद्द होने वाली ट्रेन क्रमश: 30 सितंबर से 11 अक्टूबर' 2024 तक बिलासपुर से चलने वाली 18234 बिलासपुर-इंदौर नर्मदा एक्सप्रेस रद्द रहेगी इसी प्रकार 01 से 12 अक्टूबर' 2024 तक इंदौर से चलने वाली 18233 इंदौर-बिलासपुर नर्मदा एक्सप्रेस रद्द ,30 सितंबर से 10 अक्टूबर' 2024 तक बिलासपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18236 बिलासपुर ङ्कभोपाल एक्सप्रेस रद्द,02 से 12 अक्टूबर' 2024 तक भोपाल से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18235 भोपाल- बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द, 02 से 11 अक्टूबर' 2024 तक जबलपुर से चलने वाली 11265 जबलपुर-अम्बिकापुर एक्सप्रेस रद्द ,03 से 12 अक्टूबर' 2024 तक अम्बिकापुर से चलने वाली 11266 अम्बिकापुर-जबलपुर एक्सप्रेस रद्द ,01 से 09 अक्टूबर' 2024 तक बिलासपुर से चलने वाली 18247 बिलासपुर-रीवा एक्सप्रेस रद्द,02 से 10 अक्टूबर' 2024 तक रीवा से चलने वाली 18248 रीवा-बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द,04, 07, 09 एवं 11 अक्टूबर' 2024 को रीवा से चलने वाली 11751 रीवा-चिरमिरी पैसेंजर स्पेशल रद्द , 05, 08, 10 एवं 12 अक्टूबर' 2024 को चिरमिरी से चलने वाली 11752 चिरमिरी-रीवा पैसेंजर स्पेशल रद्द,03, 07 एवं 10 अक्टूबर' 2024 को लखनऊ से चलने वाली 12535 लखनऊ-रायपुर गरीब रथ एक्सप्रेस रद्द ,04, 08 एवं 11 अक्टूबर' 2024 को रायपुर से चलने वाली 12536 रायपुर-लखनऊ गरीब रथ एक्सप्रेस रद्द , 04, 08 एवं 11 अक्टूबर' 2024 को दुर्ग से रवाना होने वाली गाडी संख्या 22867 दुर्ग-निज़ामुद्दीन एक्सप्रेस रद्द , 05, 09 एवं 12 अक्टूबर' 2024 को निज़ामुद्दीन से रवाना होने वाली गाडी संख्या 22868 निज़ामुद्दीन-दुर्ग एक्सप्रेस रद्द , 06 एवं 08 अक्टूबर' 2024 को दुर्ग से चलने वाली 18203 दुर्ग-कानपुर एक्सप्रेस रद्द , 07 एवं 09 अक्टूबर' 2024 को कानपुर से चलने वाली 18204 कानपुर-दुर्ग एक्सप्रेस रद्द, 06 अक्टूबर' 2024 को दुर्ग से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18213 दुर्ग-अजमेर एक्सप्रेस रद्द , 07 अक्टूबर' 2024 को अजमेर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18214 अजमेर-दुर्ग एक्सप्रेस रद्द , 03 एवं 10 अक्टूबर' 2024 को दुर्ग से चलने वाली 18205 दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस रद्द ,05 एवं 12 अक्टूबर' 2024 को नौतनवा से चलने वाली 18206 नौतनवा-दुर्ग एक्सप्रेसरद्द ,03 से 11 अक्टूबर' 2024 तक चिरमिरी से चलने वाली 08269 चिरमिरी-चंदिया रोड पैसेंजर स्पेशल रद्द , 03 से 11 अक्टूबर' 2024 तक चंदिया रोड से चलने वाली 08270 चंदिया रोड-चिरमिरी- पैसेंजर स्पेशल रद्द , 05, 08, 10 एवं 12 अक्टूबर' 2024 को चिरमिरी से चलने वाली 05755 चिरमिरी-अनुपपुर पैसेंजर स्पेशल रद्द , 05, 08, 10 एवं 12 अक्टूबर' 2024 को अनुनपुर से चलने वाली 05756 अनुपपुर- चिरमिरी पैसेंजर स्पेशल रद्द ,02 से 11 अक्टूबर' 2024 तक कटनी से चलने वाली 06617 कटनी-चिरमिरी मेमू स्पेशल रद्द, 03 से 12 अक्टूबर' 2024 तक चिरमिरी से चलने वाली 06618 चिरमिरी-कटनी मेमू स्पेशल ट्रेनें रद्द रहेगी ।

परिवर्तित मार्ग से चलने वाली गाडियां:-

02 से 10 अक्टूबर' 2024 तक बरौनी से चलने वाली 15231 बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग बरौनी-कटनी-जबलपुर- नैनपुर- बालघाट-गोंदिया होकर चलेगी ।

02 से 10 अक्टूबर' 2024 तक गोंदिया से चलने वाली 15232 गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग गोंदिया-बालघाट- नैनपुर-जबलपुर-कटनी-बरौनी होकर चलेगी ।

संक्षिप्त समाचार

पागल कुत्ते के काटने से युवक की दर्दनाक मौत लावारिस कुत्ते के आतंक से लोग भयभीत

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- पागल कुत्ते के काटने से सूरजपुर निवासी राजेश सोनी कि दर्दनाक मौत हो गई। कुत्ते के काटने से राजेश सोनी पागल सा हरकत कर रहा था और कुत्ते की आवाज भो भों भो कर और अंतत: उसने दम तोड दिया बताया जाता है कि एक माह पूर्व उसे पागल कुत्ते ने काट लिया था और उसने वैक्सीन भी नही लगवाई थी ।तीन दिनों से वह पागलों जैसी हरकत कर रहा था आज उसके ससुराल में मौत हो गई ।विभिन्न आरोपों के मध्य पीएम के लिए ज़िला अस्पताल परिजन पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उसका शव विच्छेदन किया ।राजेश सोनी वॉर्ड क्रमांक 4 सुरजपुर निवासी है तथा अग्रसेन वार्ड नं 12 सूरजपुर में ससुराल है।

पागलों एवं आवारा कुत्तों के आतंक से भयभीत है लोग- इन दोनों पागलों एवं आवारा कुत्तों से लोग काफी परेशान है। आवारा कुत्ते स्कूली बच्चों एवं राहगीरों को के साथ- साथ पशुओं को दौड़ा-दौड़ा कर अपना शिकार बना रहे हैं परंतु प्रशासन इस ओर से अपनी आंखें बंद कर रखी है। कोई ऐसा दिन नहीं है जिस दिन लोग आवारा कुत्तों का शिकार नहीं हो रहा है। प्रशासन को चाहिए कि इन आवारा कुत्तों को नसबंदी या और कोई आवश्यक कदम उठाए ताकि स्कूली बच्चों ,राहगीरों एवं पशुओ को आवारा कुत्तों के काटने से बचाया जा सके। यहां बताना आवश्यक है कि कुत्ता पालक बहुत शौक से कुत्ता तो पालते हैं परंतु कुछ ही सालों में इन कुत्तों से ऊब जाते हैं और उन्हें भी सड़कों में आवारा छोड़ देते हैं जो पागल होकर इधर-उधर भटकते हैं और आवरा पशुओं ,स्कूली बच्चों राहगीरों को अपना शिकार बनाते हैं। पालतू पशुओं एवं कुत्तों को आवारा छोड़ने वाले पालकों का चिन्हांकित कर उनके खिलाफ भी प्रशासन को कार्यवाही करने हेतु कदम उठाना चाहिए।

विभिन्न मांगो को लेकर श्रमिक संघ बी एम एस ने महाप्रबंधक कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- एस ई सी एल भटगांव क्षेत्र में अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ (बी.एम.एस) के आह्वान पर भारतीय कोयला खदान मजदूर संघ छत्तीसगढ़,बीएमएस भटगांव क्षेत्र में नियमित व ठेका कामगारों ने क्षेत्रीय महाप्रबंधक भटगांव कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया। सीएमपीएफठेका व खान सुरक्षा में हो रही अनिमियतता के निमित्त एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा गया। बी एम एस ने धरना प्रदर्शन कर आरोप लगाया की सीएमपीएफ में 727.67 करोड़ रूपये के घोटाले हुवे है। ठेका मजदूरों की बहुत समस्याएं है,खान सुरक्षा व स्थानीय मुद्दों को प्रमुख बिषय के रूप में समाहित किया गया।धरना पश्चात कोयला सचिव नई दिल्ली ,कोल इंडिया चेयरमैन,डीजीएमएस व आयुक्त सीएमपीएफ धसनबाद के नाम एक ज्ञापन महाप्रबंधक भटगांव क्षेत्र के माध्यम से सौंपा गया। इस अवसर पर संगठन के केंद्रीय/क्षेत्रीय पदाधिकारी संजय सिंह, कंपनी सुरक्षा समिति सदस्य एसईसीएल,श्रीमती अर्चना लामा, सुरजन प्रजापति, दिलीप मंडल, जगन्नाथ शर्मा, कमल सक्सेना, प्रताप सिंह मरावी, अविनाश प्रधान, संधारी राजवाड़े,सालिग़ राम, विनीत देवांगन, विनोद प्रसाद समेत 139 कार्यकर्ताओं/ठेका मजदूरों की उपस्थित रही।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत् जनभागीदारी से लोगों को किया जा रहा जागरूक

कण्डोरा में स्वच्छता शिविर आयोजित कर 146 लोगों को किया गया स्वास्थ्य परीक्षण

5 आयुषमान कार्ड और 08 श्रमिकों का कराया गया पंजीयन

जशपुरनगर(विश्व परिवार)। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत् कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिशेक कुमार के निर्देश में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कुनकुरी के मार्गदर्शन में स्वच्छता ही सेवा 2024 के तहत् अभियान के 12वें दिन जनभागीदारी से स्वच्छता दौड़, मैराथन, खेल प्रतियोगिता, स्वच्छता शपथ, स्वच्छता उत्सव एवं पुरूस्कार का वितरण किया गया। जिसमें स्व-सहायता समूह की महिलाऐं ग्रामीणजन एवं स्कूली छात्र-छात्राओं के द्वारा वृहद रूप से भाग लिया। यह अभियान रूवभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता थीम पर आधारित है जिसे जन भागीदारी जागरूकता एवं अन्य गतिविधियों के माध्यम से प्राप्त किया जा रहा है। स्वच्छता शिविर के तहत् 14 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2024 तक ग्राम पंचायत कण्डोरा में स्वच्छता ही सेवा के अंर्तत स्वस्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कण्डोरा कलस्टर के ग्राम पंचायत में कार्यरत स्वच्छाग्राही एवं ग्राम पंचायत के वृद्धजनो का एवं महिला स्व-सहायता समूह व स्कूल के छात्र-छात्राओं एवं जनपद पंचायत कुनकुरी के कर्मचारी सहित कुल 146 लोगेां का स्वास्थ्य परिक्षण का किया गया। शिविर में 05 आयुषमान कार्ड का वितरण और 08 श्रमिकों का पंजीयन भी कराया गया। जिससे ग्राम पंचायत कण्डोरा कलस्टर के जनता उत्साहीत हुए।

पी.एम.ए.वाई. के 282 हितग्राहियों को मिला पक्का मकान

कोरबा(विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री आवास योजना के '' मोर मकान-मोर आस '' घटक अंतर्गत पुन: 282 हितग्राहियों को पक्का मकान प्राप्त हुआ है, कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित सभागार में इन हितग्राहियों को लाटरी पद्धति से मकानों का आबंटन किया गया, जिसमें दादरखुर्द में निर्मित आवासगृहों में 274 हितग्राहियों को तथा लाटा में निर्मित आवासगृहों में 08 हितग्राहियों को आवासगृह आबंटित हुए हैं। यहाँ उल्लेखनीय है कि नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा दादरखुर्द में 2784 आवासगृहों का निर्माण कराया गया है, जिनका क्रमश: आबंटन पात्र हितग्राहियों केा किया जा रहा है, वहीं लाटा में रिक्त आवासगृहों का आबंटन भी हो रहा है। कलेक्टर अजीत वसंत के मार्गदर्शन एवं निगम आयुक्त सुप्रतिष्ठा ममगाई के दिशा निर्देशन में कलेक्ट्रेट स्थित सभाकक्ष में 04, 05 एवं 25 सितम्बर को लाटरी पद्धति से आबंटन की प्रक्रिया पूरी की गई तथा दादरखुर्द एवं लाटा में निर्मित आवासगृहों में 282 हितग्राहियों को आवासगृह आबंटित किए गए। निगम के अपर आयुक्त विनय मिश्रा की देखरेख में योजना के सहायक नोडल अधिकारी विवेक रिछारिया, सी.एल.टी.सी. हर्ष छत्रवाणी, जितेश राठौर, अंकुश पाटकर, अमन शर्मा, दीनदयाल साहू व उपेन्द्र राठौर ने आबंटन की प्रक्रिया पूरी कराई।

प्रधानमंत्री जन-मन योजना से गंगा कमार के परिवार को आवास के साथ मिला समग्र विकास का लाभ

महासमुंद(विश्व परिवार)। महासमुंद जिले की ग्राम पंचायत बकमा ग्राम कोना की रहने वाली श्रीमती गंगा कमार और उनके परिवार के लिए प्रधानमंत्री जन-मन योजना किसी वरदान से कम नहीं साबित हुई है। श्रीमती गंगा ने बताया कि उनका परिवार लंबे समय से गरीबी और कठिन परिस्थितियों में जीवन यापन कर रहा था। उनके पति खेती मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करते थे और कच्चे मकान में रहने के कारण उनका जीवन और भी मुश्किल हो गया था। प्रधानमंत्री जन-मन योजना के तहत उन्हें एक पक्का घर मिला जिससे उनके सपने पूरे हुए। उन्होंने बताया कि जब उनका नाम प्रधानमंत्री जन-मन योजना की आवास चयन सूची में आ गया है, तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। इस योजना के तहत उन्हें तीन किस्तों में धनराशि सीधे उनके बैंक खाते में भेजी गई और काम के आधार पर उन्हें कुशल मजदूरी का भुगतान भी किया गया। इससे उन्होंने अपने पक्के घर का निर्माण पूरा किया और अब वे उसी घर में अपने परिवार के साथ खुशी खुशी रहने लगी हैं। साथ ही गंगा को सरकार की अन्य योजनाओं का भी लाभ मिला है, जैसे कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त गैस कनेक्शन, महतारी वंदन योजना के तहत 1000 रूपए प्रतिमाह आर्थिक सहायता भी मिल रही है, जिससे उनके घर की अन्य ज़रूरतें पूरी हो रही हैं। बिजली कनेक्शन, पक्का शौचालय, नल कनेक्शन, किसान सम्मान निधि और सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि भी मिल रहा है। आयुष्मान कार्ड से अब उनका परिवार स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ आसानी से उठा सकता है। बैंक खाते और आधार कार्ड के माध्यम से उन्हें सीधे सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उन्होंने बताया कि गांव में जीवन की बुनियादी सुविधाओं के लिए नल जल योजना और बिजली की सुविधा भी मिल रही है, जिससे उनके दैनिक जीवन की कठिनाइयां कम हुई हैं। सरकार की किसान सम्मान निधि योजना का लाभ भी उन्हें मिलता है। इन सभी योजनाओं ने उनके जीवन में व्यापक बदलाव आया है और उनके परिवार के लिए एक बेहतर और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित किया है। गंगा कमार ने प्रधानमंत्री जन-मन योजना के तहत मिले इस लाभ के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करती हैं।

त्योहारों के पूर्व सुरक्षा के मद्देनजर यात्री बसों की की गई औचक जांच

कोरबा(विश्व परिवार)। पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी के दिशा निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यूबीएस चौहान एवं श्रीमती नेहा वर्मा के मार्गदर्शन में जिले के सभी राजपत्रित अधिकारी एवं थाना/चौकी क्षेत्र अंतर्गत आने वाले आगामी त्योहार को देखते हुए अप्रिय घटना, हादसा एवं संदिग्ध व्यक्तियों का जांच के लिए आकस्मिक अभियान चलाया गया। कोरबा पुलिस के अधिकारी एवं कर्मचारियों के द्वारा सजग कोरबा अभियान के तहत पुलिस टीम ने बीती रात को कटघोरा एवं कोरबा बस स्टैंड का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। जिसमें दीगर राज्य से आने वाले बसों को बारीकी से चेक किया गया जिसमें बस में बैठे यात्रियों एवं उनके सामानों को चेक किया गया की उसमें किसी भी प्रकार के आपत्तिजनक सामान को चेक किया गया। आगामी आने वाले त्यौहार को देखते हुए पुलिस टीम के द्वारा बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, उड़ीसा एवं अन्य जिलों से आने वाली वाहनों को रात्रि में पुलिस के द्वारा चेक किया गया। टीम के द्वारा कटघोरा बस स्टैंड, कोरबा के नया बस स्टैंड एवं पुराना बस स्टैंड में आने जाने वाली यात्री बसों को चेक किया गया। और 30 मुसाफ्रिी भी दर्ज की। पुलिस टीम के द्वारा आगे भी सजग कोरबा अभियान के तहत शहर वासियों को सुरक्षित करने के लिए इस तरीके का अभियान लगातार चलते रहेगा।

6 विस्तारीय आयुष्मान आरोग्य भवन का निर्माण न होने पर आक्रोशित ग्रामीणों ने तहसीलदार कार्यालय भटगांव पहुंचे

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) - विकासखंड भैयाथान तहसील भटगांव अंतर्गत ग्राम पंचायत तेलगवां हेतु स्वीकृत 6 बेड आयुष्मान आरोग्य भवन हॉस्पिटल को न बनने देने से छुब्ध ग्रामीणों ने सरपंच और पंचो के साथ तहसील कार्यालय भटगांव पहुँच न्याय देने की मांग की तथा ग्राम सभा मे पारित ज्ञापन सौंपा और कार्यवाही की मांग किया। ग्रामीणों का कहना है की ग्राम पंचायत तेलगवां के पंचायत भवन मे बाकायदा ग्राम सभा करके शासकीय भूमि खसरा नंबर 193 मे 0.30 हेक्टेयर भूमि में आयुष्मण आरोग्य भवन बनाने का प्रस्ताव पास करके भूमि को अस्पताल निर्माण हेतु दे दिया गया था। उसके बाद जब हॉस्पिटल बिल्डिंग के निर्माण का कार्य ठेकेदार द्वारा प्रारंभ किया गया तो गांव के एक दबंग परिवार के सदस्यों के द्वारा ग्राम पंचायत तथा सरकार के आदेशों की अवहेलना करते हुए गांव मे अस्पताल से रोक दिया गया, जब से बनाने का प्रयास करते हैं उनके द्वारा नहीं बनने दिया जा रहा है। गांव में अस्पताल बनाने की गुहार लगातार की जा रही है जिसकी सुनवाई कोई नहीं कर रहा है। आक्रोशित ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गांव के लोग नेता मंत्री विधायक तथा अफ्सरों का चक्कर लगा लगाकर थक चुके हैं। हॉस्पिटल निर्माण की वजह और भूमि विवाद की वजह से गांव में कभी भी अप्रिय घटना घटित हो सकता है।आज फिर से ज्ञापन के माध्यम से तहसीलदार भटगांव से मांग कर रहे हैं कि उक्त मामले में हस्तक्षेप करके ग्राम में अस्पताल बनवाने की कार्यवाही करें। ज्ञापन सौंपने वालों मे सरपंच सोमार साय, पूर्व बी डी सी विजय राजवाड़े,पंच शर्मिला राजवाड़े,बाबी राजवाड़े, शिवनारायण राजवाड़े, जीवन ज्योति राजवाड़े, सरिता राजवाड़े रनिया बाई सहित राम करीना चिंतामणि, हरि सिंह,मणि राजवाड़े,बालेश्वर,कृपा यादव गंगोत्री राजवाड़े,नवीन राजवाड़े सहित अन्य ग्रामीण महिला और पुरुष थे।

मंत्री विधायक अफ्सर से गुहार लगाकर थक चुके हैं ग्रामीण- ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि शासन के द्वारा आयुष्मान आरोग्य भवन बनवाने हेतु फंड दे दिया गया है। पिछले कई माह से ग्रामीणजन मंत्री विधायक सहित कई आला अफ्सरों से गुहार लगा चुके हैं एक परिवार के अड़ेंगे की वजह से आज तक शासकीय भूमि पर शासकीय भवन नहीं बन पाया। 1 साल से फंड तथा टेंडर जारी कर दिया गया है। ठेकेदार काम करना शुरू करता है तो दबंग टाइप के एक परिवार के कुछ लोग गाली गलौज देखकर भगा देते हैं। सिर्फ एक परिवार की वजह से पूरे गांव के हितों की अनदेखी हो रही है जबकि प्रस्तावित जगह शासकीय है ग्राम सभा ने दिया है स्वीकृति।

पूरे विवाद में पटवारी की भूमिका भी है संदिग्ध- इस पूरे विवाद में हल्का पटवारी की भूमिका भी संदिग्ध ग्रामीणों ने बताई। कुछ ग्रामीणों का आरोप लगाया कि अस्पताल हेतु प्रस्तावित उक्त शासकीय भूमि को हल्का पटवारी ने छेड़छाड़ कर दिया है जिससे उस दबंग परिवार को सह मिल रहा है।

निधन : होलिस्टर जायसवाल

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)-बीते कल ग्राम सलका निवासी होलिस्टर जायसवाल का हृदय गति रुक जाने से आकस्मिक निधन हो गया वे 49 वर्ष के थे। स्वर्गिय होलिस्टर जयसवाल को अंबिकापुर जिला अस्पताल भर्ती कराया गया था लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें बचा नहीं सके ।परिजनों का आरोप है कि चिकित्सालय के चिकित्सक सही बीमारी पकड़ नहीं सके और अंतत: उन्होंने दम तोड़ दिया। उनके निधन से ग्राम सलका मे शोक का वातावरण है वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्व होलिस्टार जयसवाल बीमा अभिकर्ता शनि जायसवाल के जेष्ठ पिता , स्वर्गीय वी. के जायसवाल के बड़े भाई एवं दुर्गेश जायसवाल, मिथलेश जायसवाल के पिताश्री थे, वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार को छोड़ गए है उनका अंतिम संस्कार बीते कल ग्राम सलका स्थित रेड नदी मुक्ति धाम मे किया गया

संपादकीय

कानून की रक्षा... करने की चुनौती

सुप्रीम कोर्ट के सामने चुनौती सिर्फ कानून की व्याख्या करने की नहीं है। बल्कि उसके सामने कानून के राज को बेमायने कर देने की एक विशेष राजनीतिक परियोजना से कानून की रक्षा करने की चुनौती है। सुप्रीम कोर्ट ने बिना अदालत की इजाजत के बुल्डोजर से देश में किसी प्रकार के निर्माण को ढाहने पर दो हफ्तों के लिए जो रोक लगाई है, वह न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा है। वैसे सर्वोच्च न्यायालय ने रोक की इस अवधि के लिए जो दिशा-निर्देश तय किए हैं, कानून के राज में वे आम चलन का हिस्सा होते हैं। सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण कर बनाए गए अवैध निर्माणों को तोड़ना कोई नई बात नहीं है। नई बात यह है कि बुल्डोजर के जरिए संदिग्ध अभियुक्त के मकान को गिराने का चलन फैल गया है। देखा यह गया है कि संबंधित अभियुक्त अगर मुस्लिम समुदाय का हुआ, तो ऐसी कार्रवाई तुरंत की जाती है। चलन उत्तर प्रदेश से शुरू हुआ और धीरे-धीरे अन्य भाजपा शासित राज्यों में भी इसे अपना लिया गया। इस बात की उपेक्षा नहीं की जा सकती कि ऐसे कदमों के जरिए एक तरह का राजनीतिक संदेश भेजने की कोशिश की गई है। बुल्डोजर को ऐसा सियासी सिंबल बना लिया गया है कि अमेरिका स्थित हिंदुत्व समर्थक गुटों ने 15 अगस्त के समारोहों का आयोजन बुल्डोजर रख कर करते देख गए हैं। इधर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के समर्थक उनका उल्लेख 'बुल्डोजर बाबा' कह कर करते रहे हैं। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट के सामने चुनौती सिर्फ कानून की व्याख्या करने की नहीं है। बल्कि उसके सामने कानून के राज को बेमायने कर देने की एक विशेष राजनीतिक परियोजना से कानून की रक्षा करने की चुनौती है। कोर्ट के जज इस बात से नाराज थे कि उनकी विपरीत टिप्पणियों के बावजूद नेता यह रहे हैं कि बुल्डोजर तो चलते रहेंगे। क्या कोर्ट ऐसे नेताओं की जवाबदेही तय कर सकने की स्थिति में है? क्या वह उसकी टिप्पणियों, आदेश और दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों को अदालत की अवमानना का दोषी ठहरा कर ऐसी सजा देने को तत्पर है, जो दूसरों के लिए मिसाल बने? दरअसल, 'बुल्डोजर राज' पर न्यायिक हस्तक्षेप बहुत देर से हुआ है। अब तक ये बीमारी बहुत गहरे फैल चुकी है। आरंभ में ही न्यायपालिका ने इसे रोक दिया होता, तो बात यहां तक पहुंचती ही नहीं।

दुनिया चाहती है, मेक इन इंडिया.....

श्री पीयूष गोयल, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री

देश ने 25 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी 'मेक इन इंडिया' पहल के 10 साल पूरे होने का उत्सव मनाया, जो रोजगार सृजन करने वाले निवेशों को प्रोत्साहित करके और आम नागरिकों को धन सृजनकर्ता बनने का आत्मविश्वास देकर भारत के औद्योगिक परिदृश्य को बदल रही है। यह 10 साल की एक उल्लेखनीय यात्रा रही है, जिसने औद्योगिक क्षेत्रों को विकास के इंजन के रूप में नया उत्साह दिया है, जो घरेलू मांग को पूरा करने के साथ-साथ निर्यात में भी योगदान दे रहा है। यह रोमांचक यात्रा एक कठिन समय में शुरू हुई थी, जब निर्णय लेने में अक्षम कांग्रेस सरकार की नीतिगत निष्क्रियता और कुशासन के कारण घरेलू निवेशक निराश थे। अर्थव्यवस्था निम्न स्तर पर थी, आत्मविश्वास टूट चुका था, सुर्खियों में नियमित रूप से भ्रष्टाचार के घोटालों का जिक्र होता था, मुद्रास्फीति बढ़ रही थी, ब्याज दरें अधिक थीं और रुपये का पूर्वानुमान अनिश्चित था। दुर्भाग्य और निराशा की भावना को समाप्त करने के लिए, भारतीय मतदाताओं ने निर्णायक तौर पर पीएम मोदी के पक्ष में मतदान किया। हमारे प्रधानमंत्री भारत के लिए एक दृष्टिकोण लेकर आए। वे यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि भारत एक वैश्विक महाशक्ति बने। वे चाहते थे कि भारत हमारे युवाओं को रोजगार और अवसर प्रदान करे, इस तथ्य की पहचान करते हुए कि विनिर्माण भारत की सफलता की गाथा के लिए महत्वपूर्ण है। इन्हीं परिस्थितियों में, प्रधानमंत्री ने 'मेक इन इंडिया' पहल की शुरुआत की। दस साल की यात्रा उल्लेखनीय रही है, लेकिन यह मोदी सरकार द्वारा किए गए बहुआयामी और परिवर्तनकारी बदलावों के बिना संभव नहीं हो पाती। पहलों में जीएसटी, दिवालियापन संहिता और कई अन्य सुधार शामिल हैं। कारोबार करने में आसानी में सुधार के लिए, 42,000 से अधिक अनुपालन आवश्यकताओं को समाप्त कर दिया गया और मामूली अपराधों के लिए आपराधिक दंड प्रदान करने वाले 3,700 प्रावधानों को विभिन्न कानूनों से हटा दिया गया, ताकि छोटे व्यवसायों को उत्पीड़न से बचाया जा सके। भारत ने विश्व बैंक की व्यापार करने की रिपोर्ट में 2014 के 142वें स्थान से 2019 में 63वें स्थान पर पहुंचकर अपनी श्रेणी में तेजी से सुधार किया। सरकार की स्टार्टअप इंडिया पहल ने नौकरी की इच्छा रखने वाले कई लोगों को नौकरी प्रदाता बनने के लिए प्रोत्साहित किया है। इससे इस वर्ष जून में मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स की संख्या बढ़कर 1,40,803 हो गई है, जिससे निवेश में बढ़ोत्तरी और 15 लाख से अधिक नौकरियां सृजित हुई हैं। ये स्टार्टअप देश में नवाचार इकोसिस्टम को आगे बढ़ा रहे हैं तथा स्वच्छता, अंतरिक्ष कार्यक्रम, खाद्य बर्बादी को कम करने, स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच में सुधार करने और महिलाओं को सशक्त बनाने जैसे क्षेत्रों से जुड़े ज्वलंत मुद्दों का समाधान करने पर कार्य कर रहे हैं। सरकार के विशेष ध्यान का एक अन्य क्षेत्र है - 11 औद्योगिक गलियारों का विकास। कार्यक्रम के तहत 20 औद्योगिक स्मार्ट शहर विकसित किए जा रहे हैं, जो इन गलियारों को भारत के विनिर्माण विकास का प्रमुख आधार बनाने में मदद करेंगे। इनमें से चार स्मार्ट शहर पहले ही निवेश का आकर्षण केंद्र बन गए हैं, जहां अवसंरचना के साथ विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने के लिए मंजूरी उपलब्ध है। 1.7 लाख करोड़ रुपये के संभावित निवेश के लिए पहले ही प्रतिबद्धता व्यक्त की जा चुकी है, जो 80,000 लोगों को प्रत्यक्ष और इससे भी अधिक संख्या में अप्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करेगा।

सरकार की पीएलआई योजनाएं जैसे, इलेक्ट्रॉनिक्स, दवा, वाहन, वस्त्र और चिकित्सा उपकरण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करती हैं, ताकि इन क्षेत्रों में निरंतर विकास के लिए इको-सिस्टम तैयार किया जा सके और उनकी वैश्विक प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित की जा सके। पीएलआई योजनाओं के परिणामस्वरूप 1.32 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ है और विनिर्माण उत्पादन में लगभग 11 लाख करोड़ रुपये की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस पहल के माध्यम से 8.5 लाख से अधिक रोजगार के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष अवसर सृजित हुए हैं। प्रधानमंत्री की अवसंरचना से जुड़ी पहल, भारतीय विनिर्माण क्षेत्र के लिए एक और प्रोत्साहन है। वस्तुओं और सेवाओं की मांग पैदा करने के अलावा, अवसंरचना विकास औद्योगिक गतिविधि के लिए सुविधाएँ प्रदान करता है। आज भारत में एक्सप्रेसवे और राजमार्गों का एक विशाल और बढ़ता हुआ नेटवर्क है। विश्व स्तर के नए रेलवे स्टेशन बनाए जा रहे हैं, जबकि नए फ्रेट कॉरिडोर का निर्माण-कार्य प्रगति पर है। भारत को निवेश के लिए एक बहुत ही आकर्षक गंतव्य के रूप में देखा जा रहा है। देश 4डी लाभ की पेशकश करता है - प्रधानमंत्री मोदी का निर्णायक नेतृत्व; हमारे युवा, प्रतिभाशाली, कुशल भारतीयों का जनसांख्यिकीय लाभांश; 140 करोड़ भारतीयों द्वारा अर्थव्यवस्था में उत्पन्न की जाने वाली मांग; एक जीवंत लोकतंत्र, जो निवेशकों की सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित करता है तथा कानून का शासन, जो कभी भी किसी के साथ भेदभाव की अनुमति नहीं देता है। 4-डी भारत में निर्माताओं को आकर्षित करने के लिए बहुत ही प्रभावी परिदृश्य प्रस्तुत करता है। घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों को आज अपने व्यवसाय के विस्तार का सुनहरा अवसर मिल रहा है। निवेशक समुदाय में कई प्रकार की गतिविधियां चल रही हैं। कई प्रतिनिधिमंडल भारत का दौरा कर रहे हैं, जो निवेश करने और भारतीय विकास गाथा में भाग लेने के अवसरों की तलाश कर रहे हैं। विदेशी सरकारें और वैश्विक सीईओ भारत में अवसरों पर उत्सुकता से नजर रख रहे हैं। कई देश भारत के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के इच्छुक हैं। दुनिया अब भारत को एक विनिर्माण गंतव्य के रूप में देख रही है। इस दिलचस्पी का मुख्य कारण है - भारत का अपना प्रतिस्पर्धी लाभ और अर्थव्यवस्था के मूल तत्वों की मजबूत स्थिति। आज मुद्रास्फीति नियंत्रण में है, आर्थिक विकास मजबूत है और मोदी सरकार कठोर राजकोषीय अनुशासन का पालन कर रही है। युद्ध और अनिश्चितता से ग्रस्त वर्तमान वैश्विक परिस्थिति में यह और भी सराहनीय है। प्रधानमंत्री मोदी की पहलों ने भारत को 2014 के दुनिया की 卐पांच नाजुक अर्थव्यवस्था卐 वाले देशों में से एक माने जाने की अप्रिय स्थिति से ऊपर उठने में मदद की है और अब देश दुनिया के शीर्ष पांच देशों में से एक बन गया है। वास्तव में, मेक इन इंडिया जैसी प्रधानमंत्री मोदी की पहलों ने पिछले 10 वर्षों को एक परिवर्तनकारी दशक बनाने में योगदान दिया है जिसे कांग्रेस शासन के खोए हुए दशक की तुलना में एक बड़ी छलांग कहा जा सकता है।

आलेख

अरविंद केजरीवाल की अग्नि परीक्षा...

अजय दीक्षित

चौदह वर्ष के वनवास के बाद रावण को मार कर और सीता को मुक्त करवा कर जब राम जी वापस अयोध्या आए तो उन्होंने कहा कि प्रजा को विश्वास दिलवाने के लिए उन्हें अपनी पवित्रता सिद्ध करने के लिए अग्नि परीक्षा देनी होगी ! यद्यपि यह नारी का अपमान है, ऐसा बहुत से राम भक्त भी मानते हैं । कोरोना काल में कहते हैं कि दिल्ली की सरकार ने एक नई आबकारी नीति बनाई जिसमें शराब कारोबारियों को ज्यादा कमीशन मिला । इस ज्यादा कमीशन का कुछ हिस्सा रिश्वत के तौर पर अरविन्द केजरीवाल और उसके साथियों को मिला, ऐसा आरोप ई.डी. लगा रही है । इसी सिलसिले में पहले मनीष सिसोदिया, फिर संजय सिंह फिर अरविन्द केजरीवाल कैद हुए । लम्बे समय बाद काफी कानूनी लड़ाई लडने के बाद इन्हें जमानत मिली । केजरीवाल की जमानत के साथ कई शर्तें हैं । केजरीवाल जब तक वे जेल में रहे उन्होंने त्यागपत्र नहीं दिया । परन्तु बाहर निकलने के बाद अचानक उन्होंने त्यागपत्र देने की घोषणा कर दी । 17 सितम्बर को आतिशी को अंतरिम मुख्यमंत्री के रूप में पेश किया गया । इसी दिन एल.जी. के सामने अरविन्द केजरीवाल ने त्यागपत्र दे दिया । आतिशी से मुख्यमंत्री के दावेदारों में कई नाम चर्चा में थे । परन्तु शायद आतिशी के मृद व्यवहार के कारण लगा कि वह महिला होने के नाते अफसरों से आसानी से काम करा सकेंगी । वैसे वे सबसे ज्यादा पढ़ी लिखी हैं । उन्होंने इंग्लैण्ड से एम.ए. किया है । सन् 2013 से वे आम आदमी पार्टी से जुड़ी हैं । परन्तु अरविन्द केजरीवाल ने एक और घोषणा की है कि वे चुनाव के दौरान जनता के पास जायेंगे और कहेंगे कि यदि वे बेईमान हैं तो उन्हें वोट न दें और यदि जनता समझती है कि वे ईमानदार हैं तो वोट दें । अब बड़ा घपला है । मान लें कि जनता अरविन्द केजरीवाल को फिर से चुन लेती है तो फिर कौन सी अदालत बड़ी है? जनता की? या कानून की? असल में दिल्ली में असली पावर एल.जी. के पास रहती है । तो क्या केजरीवाल एक्साइज पॉलिसी की स्वीकृति एल.जी. से ली थी या नहीं? फिर यदि नहीं भी ली थी तो एल.जी. और केन्द्रीय गृह मंत्रालय क्या कर रहा था कि दिल्ली में यह घपला चलता रहा? दिल्ली पुलिस क्या कर रही थी? भाजपा जो आज इतनी आलोचना कर रही है, वह क्यों नहीं तभी सक्रिय हुई । फिर यह बात भी लीगल एक्सपर्ट बतलाएंगे कि यह मामला ई.डी. और सी.बी.आई. दोनों में कैसे चल रहा है । यदि गोवा के इलेक्शन में इतना पैसा लगा तो चुनाव आयोग क्या कर रहा था? तभी क्या गोवा की पुलिस या गोवा की इंटेलिजेंस को कुछ भी मालूम नहीं पड़ा । सबसे बड़ी बात यह है कि मनीष सिसोदिया, या संजय सिंह या अरविन्द केजरीवाल के पास से एक भी पैसा बरामद नहीं हुआ ? तो फिर पैसा कहां गया? असल में यदि अग्नि परीक्षा में केजरीवाल सफल हो जाते हैं और जनता उन्हें फिर से चुनती है तो क्या होगा? यह यक्ष प्रश्न है ।
देखें आगे क्या होता है।

फिर पुराना दौर लौट आए, यह भी नहीं लगता

श्रुति व्यास

श्रीनगर में चुनाव का भूत सिर चढ़ कर बोल रहा है। चारों ओर राजनीति पर चर्चा है। शहर के रहवासी अपनी शिकायतों की फेहरिस्त सुनाने की बजाए कौनसा उम्मीदवार सबसे बेहतर है, इस बारे में बातचीत करने और कयास लगाने में अधिक मशगूल हैं। अफवाहों का बाजार गर्म है। हर मिनट एक नई बात, एक नई अटकल सामने आ रही है। हवा भी गर्म है। इस बार सितंबर में घाटी आश्चर्यजनक और असामान्य रूप से गर्म है। लोग नतीजों का पूर्वानुमान लगा रहे हैं। उत्सुकता है और उत्तेजना भी। लोगों में चुनावों में भागीदारी का जज्बा है। चुनावी माहौल वैसा ही है जैसा कि आजकल होता है ङ्क शोरगुल कम है और यह अनुमान लगाना मुश्किल कि किसके पक्ष में मूड़ है। घाटी का कौना-कौना रंग-बिरंगा और खूबसूरत है। माहौल आकर्षक और लुभावना है। मिसाल के तौर पर डल झील पर 22 सितंबर की दोपहर नेशनल कान्फ्रेंस ने शिकारा रैली की। सामान्यतः डल झील और उसके आसपास बड़ी संख्या में पर्यटक जमा रहते हैं। लेकिन आज वहां चुनावी हलचल और उससे जुड़ा तामझाम नजर आ रहे थे। श्रीनगर में ऑटोरिक्शों पर झंडे और पोस्टर नहीं होते बल्कि डल झील में तैर रहे शिकारों पर लगे होते हैं। सुबह 11 बजे, डल झील के घाट नंबर 7 पर रैली में भाग लेने वाले और उसकी खबर देने वाले लोग जमा हो चुके हैं। लाल, सफेद और नीले रंग के शिकारों पर नेशनल कान्फ्रेंस का लाल झंडा लहरा रहा था और उन पर पार्टी के सदस्य, कार्यकर्ता, समर्थक और मीडियाकर्मी सवार होते हुए। साफ लगा आज शिकारों का सफर अलग ही होना है। उमर अब्दुल्ला, दिल्ली में नेशनल कान्फ्रेंस के तेजतर्रार चेहरे आगा सैयाद रुहुल्ला मेहंदी, अपने बचपन के मित्र शम्मी ओबेराय, अपने दोनों पुत्रों जमीर और जहीर, ज़ादिमल से पार्टी के उम्मीदवार तनवीर सादिक और अन्य लोगों के साथ 'हैवन इन लेक' (झील में जन्नत) नाम के शिकारे पर सवार हैं। आसमानी नीले रंग के इस शिकारे में वाकई उसके नाम के अनुरूप सारी सुख-सुविधाएं मौजूद हैं। लकड़ी की दो कुर्सियां और एक मेज है, जिस पर प्लास्टिक के फूल सजे हुए। एक पिकनिक बास्केट है जिसमें डेविडऑफ कॉफी और अन्य छोटी-मोटी चीज़ें रखी हैं। ऐसा लगता है कि उमर अब्दुल्ला जहां भी जाते हैं, कॉफी उनके साथ होती है। बताया जाता है कि इस पूरे चुनावी अभियान के दौरान उनका पहला काम होता है अपने लिए एक कप स्ट्रांग काफी तैयार करना। ब्लू टोकाई उनकी पहली पसंद है। उसकी महक और स्वाद का आनंद लेकर ही वे अपना चुनाव अभियान शुरू करते हैं। हो सकता है यह उनका अंधविश्वास हो, इसे वे भाग्यशाली मानते हों या यह दिखावा हो। बहरहाल जो भी हो, उमर अब्दुला ने अपनी शिकारा रैली की शुरुआत भी गर्म कॉफी के एक कप के साथ की। इसके बाद उन्होंने शिकारे की यात्रा का आनंद लिया। वे शिकारे के आगे की ओर आए, उन्होंने नेशनल कान्फ्रेंस का झंडा लहराया, मीडिया कर्मियों को तस्वीरे खींचने का मौका दिया, वे हंसे, उन्होंने बातचीत की और हल्की-फुल्की चर्चा की। उन्होंने यात्रा का मज़ा लिया तो मीडिया ने भी। उनके शिकारे के पीछे अन्य शिकारे थे जिन पर एनसी के झंडे लहरा रहे थे और संगीत बज रहा था। घाट 7 से चार चिनार तक शिकारे डल झील के मटमैले और गहरे पानी में गए। आसमान में सूर्य चमक रहा था और रास्ते में कई हाउसबोट, काफी शेक और आईस्क्रीम की छोटी-छोटी दुकानें थी। मेरा शिकारा, जिसमें मीडियाकर्मी स्त्री-पुरुष थे, जैसे ही 'हैवन इन लेक' की सीध में आया, मैंने आगा सैयद रुहुल्ला मेहदी से सवाल किया कि चुनाव जीतकर सत्ता में आने पर शुरूआती 100 दिनों में एनसी की सर्वोच्च प्राथमिकता क्या होगी? जवाब था जम्मू और कश्मीर विधानसभा केन्द्र सरकार के अनुच्छेद 370 हटाने के फैसले के खिलाफ एक प्रस्ताव पारित करेगी. इस बीच मीडियाकर्मी उमर अब्दुल्ला को डल झील में कूदकर तैरने के लिए प्रेरित कर रहे थे जैसा उनके पिता डॉ. फारुख अब्दुल्ला ने 2001 में किया था। पर हालात बदल गए हैं, न डल पहले जैसी साफ है और न कश्मीर अब पहले जैसा स्वच्छ है, उसकी कालजयी खूबसूरती में बढ़ती व्यापारिक गतिविधियों के चलते गिरावट है। लेकिन राजनेता पहले जैसे ही हैं। तीसरी पीढ़ी के नेता उमर अब्दुल्ला परिवार की चौथी पीढ़ी के साथ चल तो रहे हैं, लेकिन उनकी सोच अतीत में अटकी हुई है। वे खोखले हो चुके अनुच्छेद 370 का मुद्दा उठा रहे हैं जब कि लोग महंगाई और बेरोज़गारी से परेशान हाल हैं। यह शिकायत मुझे कश्मीर में हर जगह पुरूषों और महिलाओं से सुनने को मिली। लेकिन उमर और उनकी पार्टी अतीत की बातों में ही उलझी हुई है। जब मेरा शिकारा बाकी काफिले से अलग होकर दक्षिण दिशा में मुड़कर वापिस घाट 7 की ओर बढ़ने लगा, तब मुझे शिकारों की एक और पंक्ति नजर आई जिसमें इंजीनियर राशिद का प्रचार किया जा रहा था। उसमें तेज संगीत के साथ दूसरे नैरेटिव की चर्चा थी। सवाल है करीब तीन दशकों तक चली हिंसा और फूहड़ राजनीति के बाद, अनुच्छेद 370 हटाने और अमन-शांति के आभास के बीच, भविष्य कैसा नजर आ रहा है? मैं जब शिकारे से उतर रही थी और डल झील सूरज की पीली रौशनी से चमक रही थी तब मेरे मन में विचार आया कि क्या अभी भविष्य बूझना संभव है? अभी नहीं। चुनावी जोश और उत्तेजना का यह दौर नए भविष्य का इस्तकबाल करे, यह भी नहीं लगता तो फिर पुराना दौर लौट आए, यह भी नहीं लगता।

केजरीवाल की बड़ी सियासी कवायद

राज कुमार सिंह

तेरह सितंबर को सर्वोच्च न्यायालय से जमानत पाने वाले अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने का इरादा जताकर सबको चौंका दिया है। इस्तीफा देने के लिए उन्होंने देश की सर्वोच्च अदालत से जमानत और उस पर जश्न के चार दिन बाद का समय चुना है। उन्होंने घोषणा की है कि वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे और जब तक दिल्ली के मतदाता चुनावी जनादेश के जरिये उन्हें ईमानदार नहीं मान लेते, तब तक दोबारा पद नहीं संभालेंगे। वह चाहते हैं कि महाराष्ट्र और झारखंड के साथ दिल्ली में भी नवंबर में चुनाव कराए जाएं। तब तक आप का कोई अन्य नेता मुख्यमंत्री पद संभालेगा। जाहिर है, अनेक सवाल सियासी गलियारों में गूंजने लगे हैं। सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि इससे आम आदमी पार्टी, दिल्ली, विपक्ष और देश की राजनीति पर क्या असर होगा? यह भी सवाल पूछा जा सकता है कि केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने का ख्याल कथित शराब नीति घोटाले में लगभग 177 दिन तिहाड़ जेल में गुजारने के बाद क्यों आया? उनके विरोधी तो इस्तीफे की मांग गिरफ्तारी के समय से करते रहे हैं। कुछ लोग तो इसके लिए अदालत तक गए, जहां उन्हें निराशा हाथ लगी। अब इस्तीफे का निर्णय केजरीवाल ने परिस्थितियों, चुनौतियों और संभावनाओं पर सोच-विचार करके ही लिया है। जमानत तो मिल गई, पर मुकदमा लंबा चलेगा। दूसरी बात, आप और कांग्रेस में गठबंधन के बावजूद दिल्ली में लोकसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार भाजपा का सभी सात सीटें जीत जाना बताता है कि गिरफ्तारी से केजरीवाल को ज्यादा सहानुभूति नहीं मिली है। मतलब, उनकी पार्टी को और मेहनत करने की जरूरत है। अब केजरीवाल पदमुक्त होकर ज्यादा मेहनत करने की स्थिति में होंगे। जब न सिर्फ केजरीवाल के गृह राज्य हरियाणा में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, दिल्ली में भी अगले साल फरवरी में ही चुनाव होंगे, तब पार्टी को आक्रामक रणनीति और नए मुद्दों-नारों की दरकार है। लोकसभा चुनाव के नतीजे आप की सीमाएं उजागर कर रहे हैं। फिर भी पंजाब में प्रचंड बहुमत तथा गुजरात, गोवा जैसे सुदूर राज्यों में भी पैर जमाने की कोशिश से उसे गठन के दस साल के अंदर ही राष्ट्रीय दल का दर्जा मिल चुका है। बहरहाल, पिछले चुनावी नतीजों से आप और कांग्रेस, दोनों ने सबक सीखा है। कभी कांग्रेस समेत तमाम दलों को भ्रष्ट बताने वाली आप को समझ में आ गया है कि अन्य गैर-भाजपाई दलों को साथ लिए बिना राष्ट्रीय राजनीति संभव नहीं, तो विपक्ष भी समझ गया है कि दिल्ली और पंजाब में प्रचंड बहुमत वाले दल को नजरअंदाज करना समझदारी नहीं है। पिछले साल विपक्षी दलों के 'इंडिया' ब्लॉक के बैनर तले एकजुट होने का ही परिणाम रहा कि 2014 और 2019 में अकेले दम बहुमत हासिल करने वाली भाजपा आज बहुमत के लिए तेलुगु देशम पार्टी, जनता दल यूनाइटेड व लोक जनशक्ति पार्टी पर निर्भर हो गई है। इस बीच विपक्षी नेताओं, खासकर मुख्यमंत्रियों के विरुद्ध ईडी और सीबीआई की कार्रवाई से विपक्ष की मुश्किलें भी बढ़ीं। कथित शराब नीति घोटाले में पहले उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, तो फिर सांसद संजय सिंह और मुख्यमंत्री केजरीवाल भी गिरफ्तार हुए। बेशक तीनों अब जमानत पर बाहर आ चुके हैं, पर केजरीवाल की छवि पर भाजपा को सवालिया निशान लगाने का मौका मिल गया है। आप ने दिल्ली में पानी, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी चुनावी वायदों को पूरा किया है, पर उसकी सबसे बड़ी ताकत भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष है। ऐसे में, शराब घोटाले के आरोपों के दाग के साथ विधानसभा चुनाव में जाने का जोखिम केजरीवाल सरीखे चतुर राजनेता क्यों उठाएंगे? यह सामान्य बात है कि लोकतंत्र के नाम पर अपनी सुविधानुसार राजनेता जनता की अदालत की आड़ लेते रहे हैं। आश्चर्य नहीं, केजरीवाल ने दिल्ली के मतदाताओं से 'ईमानदारी' का प्रमाणपत्र मांगने का दांव चलकर विरोधियों, खासकर भाजपा को सोचने पर मजबूर कर दिया है। जेल जाने के बावजूद दिल्ली में उनके सबसे लोकप्रिय राजनीतिक चेहरा होने से शायद ही कोई इनकार करेगा। अत: सीटें घटने की आशंका है, पर दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप की जीत की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। ध्यान रहे, किसी भी पद-त्यागी के प्रति भारतीय जनमानस अति अनुरागी रहा है। हर राज्य में ऐसे नेता रहे हैं, जिन्होंने पद छोड़कर अपने राजनीतिक कद को बढ़ाया है। जेपी, बाल ठाकरे से लेकर सोनिया गांधी तक ऐसे कद्दावर नेताओं के अनेक उदाहरण हैं। केजरीवाल भी रोजमर्रा के सरकारी कामकाज से दूर रहकर अपने राजनीतिक कद को बढ़ाने पर जोर लगाएंगे। किसी भी राज्य में अपनी या विपक्ष की जीत को नैतिक विजय बताते हुए आक्रामक केजरीवाल ठहरी हुई आप को राष्ट्रीय राजनीति में गति देना चाहेंगे। हालांकि, उनकी राह आसान नहीं है। बातचीत के बावजूद कांग्रेस ने हरियाणा में आप से गठबंधन नहीं किया है।

संक्षिप्त समाचार

जो इंसान जहां पैदा होता है उसे वहीं अच्छा लगता है: आचार्य श्री प्रज्ञासागर जी महाराज

झालरापाटन (विश्व परिवार)। आज दिनांक 27 सितंबर 2024 को स्थानीय शांति नाथ जी के बाड़े में पर्यावरण संरक्षक 108 आचार्य प्रज्ञा सागर जी महाराज ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा मनुष्य को अपनी जन्मभूमि ही प्यारी होती है चाहे कर्मभूमि कहीं पर भी हो जो इंसान जहां पैदा होता है उसे वहीं अच्छा लगता है बेटा बड़े शहरों मे रहता और मां-बाप को अपने पास बुलाता है पर मां-बाप वहां नहीं जाते क्योंकि उन्हें अपनी जन्मस्थली ही प्रिय होती है। जो जीव जहां रहता है वहीं की उसकी आदत हो जाती है वही उसका मन लगता है व्यक्ति चाहे कितने ही बड़े स्थल पर या कितनी ही विलासिताओं की चीजों को भोग कर रहा हो पर उसे वहां पर स्थाई मन नहीं लगता और वह अपने प्रिय स्थान पर वापस लौट जाता है हमें भी अपने जीवन में अच्छे कर्म करने चाहिए धर्म की प्रभावना को बढ़ाना चाहिए जो शरीर में रहता है उसे शरीर अच्छा लगता है और जो आत्मा में रहता है उसे आत्मा अच्छी लगती है। धर्म सभा को संबोधित करने से पूर्व बाकलीवाल परिवार ने आचार्य श्री को शास्त्र भेंट कर पादपक्षालन किया मंगलाचरण संजय पाटोदी ने किया। आचार्य श्री ने आगामी नवरात्र के कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। **-अभिषेक जैन लुहाड़िया**

ग्राम धमनी में मोर बुथ, मोर अभियान के तहत बनाया गया सदस्य

राजिम (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे हैं सदस्यता अभियान के तहत अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा नेत्री देवकी साहू के नेतृत्व में क्षेत्रीय विधायक रोहित साहू के मार्गदर्शन में ग्राम धमनी बूथ क्रमांक 105 में मोर बुथ, मोर अभियान कार्यक्रम के तहत सदस्य बनाया गया।इस अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें याद किया गया। बुथ प्रभारी देवकी साहू ने कहा कि श्रद्धेय दीनदयाल उपाध्याय जी हम सभी के आदर्श और मार्गदर्शक हैं जिन्होंने हम सबको एकात्म मानववाद और अंत्योदय का पाठ पढ़ाया आज उनके बताएं रास्ते पर चलकर हम सभी लोगों की उन्नति के लिए काम कर रहे हैं, उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि हमें नगर एवं ग्रामीण अंचल के हर वार्ड के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच कर हमें ज्यादा से ज्यादा भाजपा के सदस्य बनाना है। ग्राम पंचायत धमनी में भारतीय जनता पार्टी द्वारा सदस्यता अभियान मे श्रीमति अश्वनी राधेश्याम साहू सरपंच धमनी, नंद कुमार विश्वकर्मा, बूथ अध्यक्ष रामानंद ध्रुव, चेतना साहू, ईश्वरी साहू, अशोक साहू, रामकुमार साहू, गोवर्धन पटेल, पोषण साहू, निरंजन साहू, झड़ी राम साहू, भोला राम कन्नोजे, महेंद्र कुमार कोसले, पवन कुमार साहू सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

उच्च मनोबल का धनी ही साधना के शिखर तक पहुंच सकता है : मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज

इंदौर (विश्व परिवार)। साधना के मार्ग में खुद रास्ता बनाते हुये आगे चलना पड़ता है और आराधना के मार्ग में हमें सिर्फ दूसरों का अनुकरण करना पड़ता है, साधना का मार्ग एकांकी मार्ग है जिस पर चलना हर किसी के वश में नहीं, उच्च मनोबल का धनी ही साधना के शिखर तक पहुंच सकता है, सातवीं शताब्दी में आचार्य मानतुंगाचार्य पर जब संकट आया और किसी बात पर नाराज होकर जब राजा ने उनको लोहे की सांकलों से बांध 48 तालों के साथ बंद कर दिया तो आचार्य मानतुंगाचार्य भगवान आदिनाथ स्वामी की भक्ती में तन्मय ऐसे डूबे कि उनके बाहर के बंधन भी टूटे और अंदर से कर्मों के बंधन भी टूट गये। उपरोक्त उद्गार भावनायोग शंकासमाधान प्रणेता मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने मोहता भवन के आचार्य विद्यासागर प्रवचन मंडप से भक्तामर स्त्रोत की भूमिका प्रस्तुत करते हुये व्यक्त किये मुनि श्री ने कहा कि जिसकी बांह में ताकत होती है वह समुद्र को तैरकर भी पार कर सकता है लेकिन जिनको तैरना नहीं आता वह ट्युव का आलम्बन लेकर पार लग सकता है भक्ती का मार्ग भव सागर से पार होंने का प्राथमिक अनुकरणीय मार्ग है, जैन परंपरा में अनेक महान महान महान आचार्य हुये है, जिन्होंने हमें पूर्ण तत्वज्ञान देते हुये आध्यात्मिकता का पाठ पड़ाया है, वंही ऐसे भी आचार्य हुये है जिन्होंने भक्ती की गंगा में अपने आपको तिरोहित करते हुये हम सभी का उद्धार किया है।मुनि श्री ने कहा कि जब हम जैन परंपरा की बात करते है, तो आध्यात्मिक संतों में आचार्य कुंदकुंद ने भक्ती की इस गंगा को प्रभाहित किया है उन्होंने कहा भक्ती कोई क्रिया नहीं है, भक्ती एक साधना है जो हमारे अंतर के उदगार से निकलती है, और हमारे कर्म काटने में सहायक सिद्ध होती है महान दार्शनिक संतों में आचार्य समन्तभद्र एवं आचार्य पूज्यपाद सहित अनेक आचार्य हुये जिन्होंने भक्तियां लिखी है, लेकिन इन सबके मध्य आचार्य मानतुंगाचार्य हुये जिन्होंने भक्तामर स्त्रोत

की रचना कर अलग ही छाप छोड़ी है। णमोकार महामंत्र के पश्चात भक्तांमर स्त्रोत ही एक मात्र ऐसा स्त्रोत है जिसकी इतनी प्रशस्ति है कि वह हमारे जीवन का प्राणाधार है और सभी जैनी तो इसका आलम्वन लेते ही है, भक्तामर स्त्रोत्र जातिवंधन से बहूत ऊपर है, जिसने इसका स्तवन किया है उसको इसका लाभ मिला है उन्होंने कहा भक्तामर स्त्रोत्र पर इतनी अधिक रचनाऐं हुई है, उतनी अधिक किसी अन्य स्त्रोत्र की नहीं हुई इस स्त्रोत्र के प्रभाव से भारत में ही नहीं जर्मनी में भी केंसर जैसे रोग ठीक हो गये भक्तामर की रचना में शव्द नही बीज मंत्र है जिसका अपना विज्ञान है यह प्राणी मात्र के लिये है जो इसको ध्यायेगा उसका उद्धार हो जाऐगा। भक्तामर एक आराधना है इससे स्वास्थ्य ठीक होता है मुनि श्री ने कहा कि हालांकि में चमत्कार पर विश्वास नहीं करता लेकिन इसका नियमित पाठ कीजिये आपके जीवन में चमत्कार गठित होगा। भक्तामर का असली लाभ जीवन का रूपांतरण और आत्मा की अभ्युत्थान तथा चेतना की निर्मलता घटित हो जाये तो हमारे जीवन का ही कायाकल्प हो सकता है, भक्तामर स्त्रोत्र बसंत तिलिका छंद में है इसका एक एक अक्षर चमत्कारिक है।भक्तामर स्त्रोत्र संस्कृत का पड़ना चाहिये भले ही उसके अर्थ का ज्ञान न हो लेकिन उसके शव्दों की खनक से ही आपका उद्दार हो जाऐगा आपके उच्चारण का प्रभाव तभी होता है जब आप उसका शुद्ध उच्चारण करें इसका प्रत्येक श्लोक बीज मंत्र है और इसमें अनेक शक्तियाँ है। यदि आप संस्कृत नही जानते है तो कोई बात नहीं आप भावनात्मक रुप से इसका लाभ उठाइये एवं साथ में कापी पेन एवं किताब को सामने रखिये और भक्तामर की इस कक्षा में शव्दार्थ ही नहीं वल्कि इसके गूढार्थ को भी आपके सामने रखेंगे।ओन लाईन पर भी सभी अपनी तैयारी के साथ पूरा मनोभाव बनायें। उपरोक्त जानकारी देते हुये प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया प्रतिदिन प्रात: 8:30 बजे से 9:20 तक भक्तामर की कक्षा का स्वाध्याय मुनि श्री के मुखारविंद से होगा सभी इसका लाभ उठायें तथा आगामी 29 सितंवर रविवार को मुनिसंघ का प्रवास दि.जैन मंदिर नसिया में होगा मुनि श्री संघ सहित प्रात:काल की बेला में 6:30 बजे मोहताभवन से जाएंगे एवं अभिषेक शांतीधारा के उपरांत 8:30 बजे से प्रवचन एवं10 बजे से आहार चर्या संपन्न होगी। सभी से निवेदन है कि समय पर पहुंचकर धर्म लाभ उठाऐं। **-अविनाश जैन**

आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज ससंघ (26 पिच्छी) का आज नांदणी से 1.5 किमी दूर हरोली नगरी में होगा भव्य मंगल प्रवेश

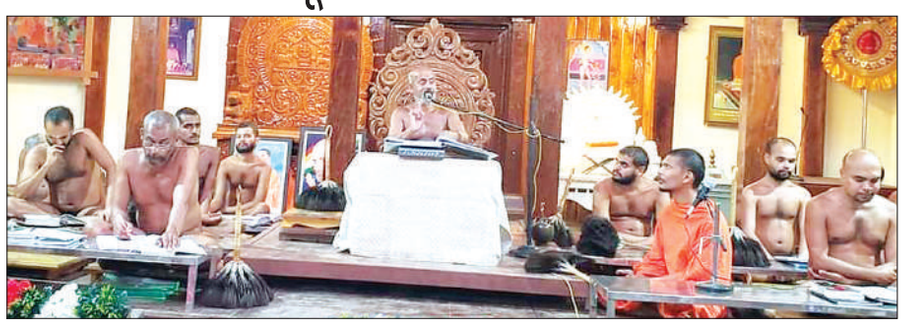

नांदणी (विश्व परिवार)। जैन जगत में आध्यात्म, ज्ञान, ध्यान, तप, त्याग, साधना और आगम चर्या के लिए सुविख्यात जैन संत, गणाचार्य श्री 108 विराग सागर जी के सुशिष्य प. पू दिगंबराचार्य, चर्याशिरोमणी, आचार्य प्रवर श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ का शनिवार 28 सितम्बर को नांदणी से 1.5 कि.मी दूर हरोली नगर में भव्य मंगल प्रवेश होगा।

सकल दिगम्बर जैन समाज हरोली ने आचार्य श्री ससंघ के भव्य अगवानी की तैयारी पूरी कर ली है। जैन साधुओं के विशाल ससंघ के इंतजार में हरोली का जैन समाज पलक पावरें बिछाये बैठी है। उनके मंगल प्रवेश पर भव्य स्वागत करने को हर जैन श्रावक-श्राविका अतिउत्साहित है। हरोली के जैन श्रद्धालुओं का कहना है कि हरोली की धरा धन्य हो जाएगी जब हमारे गुरुदेव विशुद्ध सागर जी के चरण हरोली के इस पावन भूमि पर पड़ेगे। सत्य, अहिंसा, मैत्री, जियो और जीने दो के साथ आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज का मुख्य नारा नमोस्तु शासन जयवंत हो है।

नांदणी मठ में, दिगम्बर जैनाचार्य 108 श्री विशुद्ध सागर जी गुरुदेव ने धर्मसभा को संबोधन करते हुए कहा कि अंतिम तिर्थेश वर्धमान स्वामी के शासन में हम सभी विराजते हैं। तीर्थंकर भगवान की पीयूष देशना जिनेंद्रवाणी जगतकल्याणी है। यह सर्वज्ञशासन, नमोस्तुशासन जयवन्त हो। जयवन्त हो वितरागी श्रमणसंस्कृती। संगठन ही महाशक्ति होती है इसके माध्यम से हर काम संभव होते हैं। इस पंक्ति का मतलब यह है कि साथ मिलकर काम करने से किसी भी काम को पूरा किया जा सकता है। लेकिन इसके लिए ईमानदार होना जरूरी है।

एक धागा शक्तिहीन है। जिसे छोटा सा बालक भी तोड़ सकता है। लेकिन वहीं धागा अन्य धागों के साथ मिल जाए तो उसको तोड़ना कठिन हो जाता है। संगठन ही प्रत्येक व्यक्ति को सफलता दिलवा सकता है। संगठन एवं एकता में शक्ति है। आपको यदि धर्म, परिवार, राज्य एवं देश की रक्षा करनी है तो संगठन बनाकर रहना पड़ेगा। इसलिए संगठन बहुत जरूरी है।

धर्म तो अहिंसा में है। जिसमें प्राणी मात्र के जीवों की रक्षा की जाती है, वहीं धर्म है। जैन साधक अहिंसा धर्म के परिपालन के लिए ही वर्षाकाल में चातुर्मास किया करते हैं। जिससे सूक्ष्म जीवों की हिंसा न हो और अहिंसा धर्म का पालन हो सके। सागर की गहराई और पर्वत की ऊंचाई जगत प्रसिद्ध है पर इन से भी गहरा और ऊंचा कोई है तो वह गुरु का धर्म उपदेश होता है। गुरु के वचन आत्मा को परमात्मा के पास पहुंचाने के साधन है।

-अभिषेक अशोक पाटील

एमजी रोड स्थित श्री जैन दादाबाड़ी में श्री विनय कुशल मुनि और विराग मुनि के प्रवचन

किसी की गलती मुंह पर बताएं, हिम्मत नहीं तो निंदा भी मत करें : विराग मुनि जी

रायपुर (विश्व परिवार)। लोगों की गलतियां उनके मुंह पर बताएं। हिम्मत न हो तो पीठ पीछे निंदा भी नहीं करनी चाहिए। धर्म में निंदा की सख्त मनाही है पर लोग मानते कहां हैं। व्रत-उपवास करते हुए भी निंदा रस का आनंद लेते हैं। धर्मग्रंथ कहते हैं कि कर्म सत्ता ऐसे लोगों को 12 गुना ज्यादा दंड देती है।

एमजी रोड स्थित श्री जैन दादाबाड़ी में श्री विनय कुशल मुनि म.सा. के सानिध्य में चल रहे चातुर्मासिक प्रवचन में विराग मुनि म.सा. ने ये बातें कही। उन्होंने कहा कि किसी की गलती एवं धर्म विरुद्ध कार्य के विरुद्ध बोलना चाहिए, लेकिन हम हमारा व्यक्तिगत संबंध खराब हो जाएगा, यह सोचकर चुप रहते हैं। इससे यहां तो संबंध बना रहेगा, लेकिन भगवान से संबंध खराब हो जाएगा। उन्होंने कहा कि पाप करते हुए चारित्र और विरागना के साथ संयम का पालन नहीं हो सकता। भाव श्रावक के लिए जरूरी है कि वह इन दोनों का त्याग करे। पौषध लें तो सिर्फ धर्म की चर्चा करें। कर्मों की निर्जरा करें। परमात्मा के आदेशों का उल्लंघन करेंगे तो उसी गलती की 12 गुना ज्यादा सजा भुगतनी पड़ेगी। सीता ने भी पूर्व भव में आमजन की निंदा की। इसी पाप की वजह से उन्हें अग्नि परीक्षा से गुजरना पड़ा। सीता पुण्यात्मा ही थीं, जो उतना बड़ा आरोप लगने के बाद भी सब सहन कर सुरक्षित निकल गईं। पाप करने से पहले सोचिए कि क्या आपके पुण्य में इतना सामर्थ्य है कि जब आपके बुरे कर्म उदय में आएंगे तो आप उन्हें सह पाएंगे! विचार करिए।

नीयती तो नही बदलेगी, मन के परिणाम बदल कर्म बंध से बचें : मुनिश्री ने कहा कि जो होना है, वो होकर रहेगा। इस पर किसी का नियंत्रण नहीं है। आप अपने मन पर नियंत्रण रखें। किसी भी परिस्थिति में क्रोध, लोभ, मान, माया के वशीभूत न हों। मन के परिणामों को दुर्बल कर कर्मों के बंधन से बचा जा सकता है। जो व्यक्ति दुखी रहता है, वह दूसरों को भी दुख ही देता है। सुख को अपना स्वभाव बनाइए। सिद्धों की तरह खुश रहना सीखिए। खान-पान, घूमने-फिरने का आनंद क्षणिक है। सिद्ध धर्म में जीते हैं, जो उन्हें सदाकाल का आनंद देता है।

सेवा और भक्ति किसी काम की नहीं अगर आप बदले में कुछ चाहते हैं : मुनिश्री ने कहा कि सेवा-सहायता अहोभाव से करें। किसी काम को आप जितने सच्चे और अच्छे मन से करते हैं, उसके परिणाम भी उतने ही सुखद होते हैं। इसका मतलब ये भी नहीं कि आप अच्छा पाने की नीयत से ही नेक काम करें। वो सेवा-भक्ति किसी काम की नहीं है, जिसके बदले कुछ पाने की चाहत हो। अगर आप तीर्थंकर बनने के भाव से ही कर्म किए जा रहे हैं, तो आप तीर्थंकर नहीं बन सकते। तीर्थंकर वही बनते हैं जिनके भीतर जगत कल्याण की भावना होती है। इस चौबीसी में 9 पुण्यात्माएं ऐसी हुईं, जो अगली चौबीसी में तीर्थंकर बनेंगी। मन के परिणामों को सुधारकर धर्म-ध्यान करें तो हम भी उस दिशा में बढ़ सकते हैं।

आज से शुरू हो रहा है वर्धमान तप : आत्मस्पर्शीय चातुर्मास समिति के अध्यक्ष पारस पारख, महासचिव नरेश बुरड़ और कोषाध्यक्ष अनिल दुगड़ ने बताया कि चातुर्मास के अंतर्गत समाज में जप-तप की झड़ी लग गई है। महान सिद्धि तप के बाद दादाबाड़ी में 2 नई तपस्याएं शुरू होने जा रहीं हैं। 28 सितंबर से वर्धमान, जबकि 4 अक्टूबर से उपाधान तप शुरू होने जा रहा है। बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं इन तपस्याओं में हिस्सा लेंगे। चातुर्मासिक प्रवचन श्रृंखला के अंतर्गत श्री विराग मुनि म.सा. प्रतिदिन सुबह 8.30 से 9.30 बजे तक दादाबाड़ी स्थित भवन के सेकंड फ्लोर पर धर्मसभा को संबोधित कर रहे हैं। **-गौरव शर्मा**

महान आत्माएं वो होती है जो महान गुणों को धारण करती हैं : मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

सागर शहर की सड़कों पर निकल विशाल रैली, महिला अधिवेशन के समापन पर विद्विजनो को किया सम्मानित

सागर (विश्व परिवार)। महान आत्माएं वो होती है जो महान गुणों को धारण करती हैं दूसरी वे आत्मायें होती है जिन्हें दुनिया के हर जीव में महानता दिखती है। ऐसे ही सज्जन आदमी भी होते हैं जो दुर्जनता से रहित होते हैं लेकिन कुछ सज्जन ऐसे होते है जिनकी दृष्टि में स्वयं तो दुर्जन नजर आता है और सारा जगत सज्जन नजर आता है। ऐसी जो दूसरे नम्बर की महान आत्माओं की परिभाषा है वह बड़ी विचित्र है-

स्वयं गुणवान होकर गुणहीन की अनुभूति, ऐसी आत्माये तीर्थंकर भगवान बनने का अधिकार रखती है। स्वयं के लिए तो दुनिया कमाती है, कभी दूसरों के लिए कमाए, वो व्यक्ति महान में भी महान है। हम अभाव का उतना ही अनुभव करें जितना हम पा सकते है, ज्यादा अभाव का अनुभव करने से वर्तमान का सुख खत्म हो जाता है उक्त आश्य के उद्गार भाग्योदय तीर्थ सागर में महिला सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए मुनिपुगंवश्री सुधासागर जी महाराज ने व्यक्त किए।

मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने इस सागर चातुर्मास में सभी वर्गों को कुछ ना कुछ दिया है जहां ऐतिहासिक श्रावक संस्कार शिविर में देशभर से भक्तों को साधना के साथ संस्कार प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ वहीं राष्ट्रीय महिला अधिवेशन सम्पन्न होने जा रहा है वहीं वच्चो को संस्कारित शिक्षा देकर उनके उज्जवल भविष्य को बनाने हेतु अखिल भारतीय श्रमण संस्कृति पाठशाला का भव्य आयोजन कल 28 सितम्बर को ध्वजारोहण के साथ होने जा रहा है जिसके संयोजन का जिम्मा हमारे सांगानेर के श्री प्रदीप जी शास्त्री और पूरी टीम कई दिनों से तैयारियों को अंतिम रूप देने में लगे हैं पाठशाला सम्मेलन के दौरान परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के विशेष उद्बोदन के साथ ही पाठशालाओं दारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुत की जायेगी। **-विजय धुर्रा**

उत्तम क्षमावाणी धर्म : क्षमावाणी से विश्वमैत्री संभव है- प्रज्ञायोगी आचार्य श्री गुप्तिनंदी जी गुरुदेव

संभाजीनगर/महाराष्ट्र (विश्व परिवार)। श्री नवजिन शान्ति जिनालय अतिशय क्षेत्र धर्मतीर्थ, गुरू भक्तों की नगरी छ. संभाजीनगर में आचार्य श्री गुप्तिनंदी सभागृह, हीराचंद कस्तूरचंद कासलीवाल प्रांगण में श्री पार्श्वनाथ खंडेलवाल दिगंबर जैन मंदिर पंचायत राजाबाजार, श्री महावीर खण्डेलवाल दिगम्बर जैन मंदिर आडूल, श्री शांतिनाथ अग्रवाल दिगंबर जैन मंदिर ट्रस्ट सराफा/हडको, आचार्य श्री गुप्तिनंदी जी वर्षायोग समिति धर्मतीर्थ क्षेत्र2024व सकल जैन समाज द्वारा परम- पूज्य प्रज्ञायोगी दिगम्बर जैनाचार्य श्री गुप्तिनंदी जी गुरुदेव के प्रमुख सानिध्य में, व स्थविर श्रमण श्री विहित सागर जी, गणधर श्रमण श्री विवर्धन सागरजी आदि आचार्य श्री विरागसागरजी ससंघ 23पीछी, मुनि श्री विमलगुप्तजी, गणिनी आर्यिकाश्री आस्थाश्री माताजी, क्षुल्लक श्री शान्तिगुप्तजी, क्षुल्लिका धन्यश्री माताजी, क्षु.तीर्थश्री माताजी की उपस्थिति में सामुहिक क्षमावाणी पर्व विश्व मैत्री दिवस के रूप में मनाया गया।इस अवसर पर समाज की सभी संस्थाओं के गणमान्य प्रतिनिधियों द्वारा दीपप्रज्वलन किया गया ब्र.पूजा दीदी ने मंगलाचरण किया।श्री पार्श्वनाथ खंडेलवाल दिगंबर जैन मंदिर पंचायत राजाबाजार के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री महावीर पाटनी ने बताया-इस दशलक्षण पर्व में सकल जैन समाज उपवास करने वालों की बहार आयी है।आचार्य श्री गुप्तिनंदी जी की पूर्वाश्रम की जन्मदात्री क्षुल्लिका धन्यश्री माताजी व संघस्थ ब्र.निर्मल भैया के 10-10 उपवासों के छत्रपति संभाजीनगर संभाग में लगभग150 से अधिक श्रावक श्राविकाओं ने, साथ में अनेकों अजैन बंधुओं ने सोलह कारण के16, दशलक्षण पर्व के10, अठाई के8, पंचमेरू के 5, रत्नत्रय का तेला उपवासों की कठोर तपस्या की है। और अनंत चतुर्दशी का हजारों लोगों ने सामुहिक उपवास रखा।छोटे छोटे बालक बालिकाओं ने भी उपवास की साधना में बढ़चढ़कर पुण्यार्जन किया है।पंचायत के महामंत्री श्री प्रकाश अजमेरा ने बताया उन तपस्वियों के लिए श्री पार्श्वनाथ खण्डेलवाल दिगम्बर जैन पंचायत राजाबाजार के संयोजन में सार्वजनिक अभिनंदन और शाही पारणा, सामुहिक क्षमावाणी के साथ किया है।गणिनी आर्यिकाश्री आस्थाश्री माता जी ने क्षमावाणी का महत्व बताते हुए कहा कि क्षमावाणी में भी माँ समाई है माता धरती है, प्रकृति, है क्षमा सबमें समाई हुई है क्षमा में सृजन और विकास दिखाई देता है जबकि क्रोध में सिर्फ विनाश ही विनाश है।शांत रहने वाले क्षमाशील व्यक्ति ही स्वयं का और सबका विकास करते हैं। प्रज्ञायोगी दिगंबर जैनाचार्य श्री गुप्तिनंदी जी गुरुदेव ने उत्तम क्षमावाणी धर्म पर अपनी क्षमाशील मंगल वाणी में कहा-

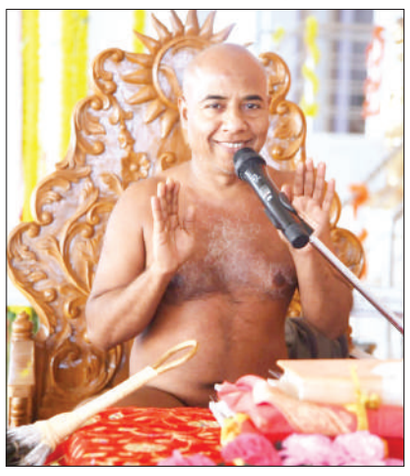

कर्मों का शोषण करती है क्षमावाणी।
आत्मा का पोषण करती है क्षमावाणी।
क्रोध का दूषण हरती है क्षमावाणी।
तीर्थंकर पार्श्वनाथ बनाती है क्षमावाणी।।

पर्यूषण पर्व का आरम्भ भी क्षमा से होता है और अंत भी क्षमावाणी से होता है।इस लोक और परलोक दोनों को शांतिपूर्ण सम्मान प्रद बनाने वाली एक मात्र भावना क्षमा भाव ही है। विश्व शांति और वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना का भवन, क्षमा की ही नींव पर स्थापित है।जीओ और जीने दो की भावना का मूलतत्व क्षमा में ही समाहित है।क्षमा का ज्योति पुत्र वर्तमान में विध्वंसक शस्त्रों की प्रतिस्पर्धा और युद्ध में महाप्रलय के छोर पर खड़े विश्व को शांति व समता का मार्ग दिखा रहा है।यदि हम वास्तव में अहिंसा के पुजारी हैं तो हमारे हृदय में अहिंसा की, क्षमा की पावन धारा प्रवाहित होना चाहिए। तभी हमारा आचरण विश्व वंद्य बन सकता है। वर्तमान में मात्र वाचनिक क्षमा ही नहीं हार्दिक क्षमा की आवश्यकता है।क्षमावाणी एक धार्मिक परिणति है, आध्यात्मिक उत्थान का उत्तम सोपान है।उसमें पर के सहयोग अथवा स्वीकृति की आवश्यकता नहीं है।यदि हम क्षमा भाव धारण करना चाहते हैं तो उसके लिए यह कोई अनिवार्य नहीं है कि जब कोई हमसे क्षमा याचना करें तभी हम क्षमा धारण करें अर्थात् क्षमा अपनायें।अपराधी द्वारा क्षमा याचना नहीं करने पर भी उसे क्षमा किया जा सकता है अन्यथा क्षमा भाव भी स्वाधीन होने के स्थान पर पराधीन हो जायेगा। यदि किसी ने हमसे क्षमा याचना नहीं की है तो उसने स्वयं की मान कषाय का त्याग नहीं किया और यदि हमने उसके द्वारा क्षमा याचना किए बिना ही क्षमा कर दिया तो हमने अपने क्रोध भाव का त्याग कर दिया। हमने अपना ही भला कर दिया और हमारे द्वारा क्षमा याचना करने पर ही कोई क्षमा नहीं करता तो क्रोध का त्याग नहीं होने से उसका ही बुरा होगा।

क्षमा याचना और क्षमा दान ये दोनों ही परिणाम हृदय को हल्का करने वाली उदात्त प्रवृतियाँ हैं।वे अहम् वैरभाव को मिटा कर शांति प्रदान करने वाली है।पर क्षमा याचना के बाद अपराधों की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए।अपराधों की पुनरावृत्ति और उस पर क्षमा का आचरण सिर्फ ढोंग और पाखंड है। क्रोध को क्षमा से ही वश में किया जा सकता है। कभी भी आग को आग से बुझाया नहीं जा सकता। वैर से सदा वैर का ही जन्म होता है। वैर को अवैर से, क्षमा समता से ही वश में किया जा सकता है। क्रोध हमें कमठ की श्रेणी में खड़ा करता है जबकि क्षमावाणी हमें भगवान पार्श्वनाथ की श्रेणी में उच्च स्थान दिलाती है। क्रोध और आतंक जहाँ उत्पन्न होते हैं उसका ही पहले व अंत में विनाश करते हैं। इसलिये हम सभी क्रोध, द्वेष और वैरभाव को छोड़कर क्षमावाणी को अपनाये। विनाश को छोड़कर विकास का रास्ता अपनायें। **-एम.सी. जैन**

गुजरात सरकार द्वारा गिरनार पर्वत पर प्रकाशित जानकारी में प्राचीन जैन मंदिरों और जैन तीर्थंकर नेमिनाथ मोक्षस्थल का उल्लेख न करना जैन तीर्थ का अपमान स्वीकार नहीं

भोपाल (विश्व परिवार)। मुरैना जिले के सुकाण्ड में स्तिथ 22वें जैन तीर्थंकर नेमिनाथ भगवान की अतिश्यकारी प्राचीन प्रतिमा वाले मंदिर के वार्षिक रथ यात्रा महोत्सव में मध्य प्रदेश सहित देश के अन्य राज्यों से आये हजारों श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

विशाल सभा को संबोधित करते हुए दिल्ली से आए विश्व जैन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संजय जैन ने गुजरात में गिरनार पर्वत की 5वीं टोंक पर नेमिनाथ मोक्षस्थल पर जैन समाज के सुरक्षित दर्शन पूजन के गुजरात हाई कोर्ट द्वारा 17 फरवरी 2005 के आदेशों का पालन जूनागढ़ प्रशासन से कराने की मांग की और 2025 में नेमिनाथ मोक्षकल्याणक के पावन दिन संगठन के हजारों सदस्यों और समाज के साथ नेमि दर्शन पूजन की भावना व्यक्त की। श्री संजय जैन ने बताया कि 5वी टोंक पर जैनों को निर्वाण लाडू समर्पित ना करने देना और जैनों के साथ दुर्व्यवहार किए जाने के साथ गुजरात सरकार के अंतर्गत गुजरात पवित्र यात्राधाम विकास बोर्ड द्वारा अपनी वेबसाइट पर और जूनागढ़ मतगणना विभाग द्वारा गिरनार पर प्रकाशित जानकारी में प्राचीन जैन मंदिरों और तीर्थंकर नेमिनाथ मोक्ष स्थल का उल्लेख न करना जैन तीर्थ का अपमान है जिसे जैन समाज कभी भी स्वीकार नहीं करेगा और अपने अधिकारों के लिए शांति के साथ अहिंसक रूप से शिखर जी आंदोलन के समान अपनी मांग करेगा।

संजय जैन ने प्रधानमंत्री मोदी जी, गृह मंत्री अमित शाह और गुजरात सरकार से दिल्ली के प्रसिद्ध लाल मंदिर में अनशनरत आचार्य मेरु भूषण जी महाराज से 17 वर्ष पूर्व गिरनार के किए गए वायदा को पूर्ण कर अल्पसंख्यक जैन समाज के संवैधानिक और धार्मिक अधिकारों के संरक्षण करते हुए गिरनार विषय के स्थाई हल करने का निवेदन किया।

सुकांड तीर्थ क्षेत्र कमेटी, खरौआ समाज समिति, फिरोजाबाद से सतेंद्र जैन सौली, विभिन्न तीर्थ व संस्थाओं के पदाधिकारियों और रथ यात्रा महोत्सव में आए हजारों श्रद्धालुओं ने विश्व जैन संगठन की मांग की अनुमोदना की। **-आकाश जैन**

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर शनिवार 28 सितंबर 2024

संक्षिप्त समाचार

देवीसिंह को मिला प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ

गरियाबंद(विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के लोगों के लिए वरदान साबित हो रही है। हर व्यक्ति का एक सपना होता है कि उनका भी अपना स्वयं का पक्का मकान हो। लेकिन कुछ लोगों की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने के कारण से हर किसी का ये सपना पूरा नहीं हो पाता है। ऐसे में गरीब असहाय के सपने को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना आज वरदान साबित हुई है। इस योजना के तहत आकांक्षी ब्लॉक गरियाबंद के ग्राम पंचायत कोदोबतर के ग्राम पंटोरा निवासी श्री देवीसिंह को पक्का मकान मिला है, जिससे उनका जीवन बदल गया है। पहले वे कच्ची झोपड़ी में अपने परिवार के साथ रहते थे। बारिश के समय कच्ची झोपड़ी से पानी टपकने एवं घर के टूटने का डर हमेशा बना रहता था। लेकिन आर्थिक स्थिति मजबूत न होने के कारण अपने लिए नया मकान नहीं बना रहे थे। उनका सपना था कि दूसरे लोगों की तरह उनके पास भी पक्का मकान हो। उनका यह सपना प्रधानमंत्री आवास योजना ने सच किया। अब उन्हें बारिश के दिनों में छत से पानी टपकने की समस्या से निजात मिल गई है। उन्होंने कहा कि शासन से मिले पक्का मकान में अब वे सुरक्षित और खुशहाल जीवन यापन कर रहे हैं। इसके अलावा उन्हें मनरेगा, महतारी वंदन योजना, आयुष्मान कार्ड और अन्य योजनाओं का भी लाभ मिल रहा है। जिससे उनके जीवन स्तर में लगातार सुधार हुआ है, इसके लिए देवीसिंह ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त किया है।

राशनकार्डधारियों के लिए ई-केवाईसी कराना अनिवार्य

सुकमा(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार और वन नेशन, वन राशनकार्ड के तहत माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के अनुसार, जिले के सभी राशनकार्डधारियों को अपने राशनकार्ड में दर्ज सभी सदस्यों का ई-केवाईसी कराना अनिवार्य है। जिला खाद्य अधिकारी जयवर्धन ठाकुर ने बताया कि राशनकार्ड में शामिल उन सदस्यों, जिनका अब तक ई-केवाईसी नहीं हुआ है, हितग्राही प्राथमिकता ई केवाईसी से पूरा करें। लाभार्थी अपने नजदीकी संचालित या किसी भी शासकीय उचित मूल्य की दुकान पर जाकर राशनकार्ड और आधार कार्ड के साथ ई-केवाईसी करा सकते हैं। यह प्रक्रिया ई-पॉस मशीन के माध्यम से ऑनलाइन की जाएगी। उन्होनें अपील की कि सभी राशनकार्डधारी जल्द से जल्द अपना ई-केवाईसी सुनिश्चित करें, ताकि योजना का लाभ जारी रहें।

बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा पर देवें विशेष ध्यान- कलेक्टर

सुकमा(विश्व परिवार)। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने शुक्रवार को केरलापाल स्थित शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केरलापल और विकासखण्ड कोंटा अंतर्गत पीएम आवासीय विद्यालय कन्या पोटाकेबिन पेदाकुरती और शासकीय प्राथमिक शाला मुरलीगुड़ा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया। शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ध्रुव ने स्कूल में साइकिल वितरण, शिक्षा हेतु उपयोग स्मार्ट टीवी का जायजा लिया। उन्होंने छात्र-छात्राओं के देश दुनिया की जानकारी हेतु नियमित रूप से समाचार पत्र उपलब्ध कराने कहा। उन्होंने शिक्षकों की उपस्थिति की जानकारी ली और लैब कक्ष का निरीक्षण कर नियमित रूप से उपयोग के निर्देश दिए। कलेक्टर ध्रुव ने पिछले वर्ष की परीक्षा परिणाम की भी जानकारी ली । इसके पश्चात् स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया पीएचसी में कलेक्टर ने ओपीडी और आईपीडी सेवाओं की समीक्षा की। उन्होंने एएनएम की उपस्थिति और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। लेबर रूम का भी निरीक्षण किया और स्वास्थ केंद्रो में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर ने मरीजों से रूबरू होकर कुशलक्षेम जाना। इसके साथ ही स्वास्थ्य केंद्र में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के निर्देशित किए। इस निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने क्षेत्र के विकास और सेवाओं की गुणवत्ता पर लगातार निगरानी बनाए रखने पर जोर देने को कहा। पीएम कन्या आवासीय पोटाकेबिन पेदाकुरती में छात्राओं से मुलाकात कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। इस दौरान कलेक्टर ने छात्राओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य सुविधाओं का जायजा लिया। आवासीय पोटाकेबिन में स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर सुविधा के लिए बच्चों की स्वास्थ की जांच कराने को कहा। साथ ही एसडीएम, तहसीलदार सहित मैदानी अधिकारियों के दूरभाष नंबर सूचना पटल पर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए, ताकि छात्राओं को किसी आपात स्थिति में आसानी से संपर्क किया जा सके। कलेक्टर ने पोटाकेबिन में लाईट और पानी की उचित व्यवस्था की समीक्षा की और किचन गार्डन के बेहतर प्रबंधन पर जोर दिया।

छत्तीसगढ़ में मोदी की गारंटी फैल, भाजपा सरकार बनने के बाद कर्मचारियों को किया अनदेखा- प्रदीप वर्मा

क्या होगा मोदी के गारंटी का ?, 04 सूत्रीय मांग को लेकर पुनः कर्मचारी अधिकारी हडताल पर

गरियाबंद (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में मोदी की गारंटी को लेकर किए गए बडे- बडे वादे में भाजपा की सरकार तो बन गई, लेकिन जिन वादो के बुलबुते में भाजपा की सरकार बन गई, वही मोदी की गारंटी ने कर्मचारी अधिकारी के मन में अपनी विगत विभिन्न लंबित मांगो को पूरा करने का घोषणा नही संकल्प पत्र से पुन: एक बार भाजपा की सरकार को पूर्ण बहुमत के साथ राज्य मे लाया है वही मोदी की गारंटी एक जुमला बनते जा रहा है। बीजेपी के घोषणा पत्र अनुसार कर्मचारी अधिकारी हितैषी अनेकानेक ऐसे वादे शामिल है जो कर्मचारी हितो को लेकर तैयार किया गया है लेकिन सरकार बनने के बाद इनही कर्मचारी अधिकारियों को डी.ए. एरियर्स के लिये आवाज बुलंद करना पड़ रहा है जो छत्तीसगढ़ राज्य के लिये दुर्भाग्य जनक व पीड़ादायक है। जब डी.ए व पूर्व एरियर्स के भुगतान के लिये कर्मचारियों को आंदोलन करना पड़ रहा है, तो मोदी की गांरटी नही संकल्प पत्र में शामिल अनेक लोक लुभावने वादो का क्या होगा जो एक प्रश्न चिन्ह भाजपा की इस सरकार पर उठ रहा है।

छत्तीसगढ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के जिला संयोजक प्रदीप कुमार वर्मा एवं महासचिव बसंत त्रिवेदी ने बताया कि छत्तीसगढ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रांतीय आह्वान प्रमुख चार सूत्रीय मांग में केंद्र के सामान महंगाई भत्ता एवं देय तिथि से लंबित एरियर्स, चार स्तरीय वेतनमान, केंद्र के सामान गृह भाड़ा भत्ता एवं 240 दिन के स्थान पर 300 दिन अर्जित अवकाश नगदीकरण को लेकर चरणबद्ध आंदोलन किया जा रहा है। ये ऐसे मांग है जो पूर्व कांग्रेस की सरकार से किया जाता रहा है जिसको तात्कालिक कांग्रेस सरकार द्वारा अपने अभिमान के कारण हमेशा अनसुना किया है जिसका परिणाम सामने है आज पुन: वही स्थिति वर्तमान भाजपा की सरकार का है जो सत्ता में आने के लगभग 1 वर्ष पूर्णता की ओर अग्रसर है लेकिन कर्मचारी अधिकारियों की स्थिति वैसी ही बनी हुई है जैसे पहले थी। चरणबद्ध आंदोलन प्रथम चरण में मांगो को लेकर भोजन अवकाश मे प्रदर्शन द्वितीय चरण में काली पट्टी के साथ मांग संबंधी सूचना व तृतीय चरण में मशाल रैली निकाल कर अपनी चार सूत्रीय मांगो को लेकर जिला एवं ब्लॉक स्तर पर ज्ञापन सौपते हुए मांगो से राज्य सरकार को अवगत कराया गया। लेकिन मांगो को पूर्ण नही किये जाने की स्थिति में आदोंलन के चतुर्थ चरण में आज दिनांक 26. सितम्बर 2024 को जिला मुख्यालय में महारैली निकाल कर जिलाधीश गरियाबंद को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा गया है। विभिन्न विभागों मे कार्यरत समस्त कर्मचारी अधिकारी अपनी जायज मांगो को लेकर लगातार राज्य सरकार से मांग करते आ रहे है। लेकिन सरकार द्वारा सभी मांगो पर मौन चुप्पी साधे हुए कर्मचारी अधिकारियों के धैर्य की परीक्षा लिया जा रहा है। सरकार निरकुश सा व्यवहार कर रही है जिससे कर्मचारियो अधिकारियो मे काफी रोष व्याप्त है।

चरणबद्ध आदोंलन के चतुर्थ चरण में जिला मुख्यालयो में विभिन्न संघठनो के जिला पदाधिकारी समस्त सदस्यगण 01 दिवसीय अवकाश लेकर भारी संख्या में जिला मुख्यालयो मे इकट्ठा हुए एवं महारैली के माध्यम से जिला कलेकटर को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नाम ज्ञापन सौपा गया है। धरना स्थल रावणभाठा दशहरा मैदान में सुबह 11 बजे से हजारो की संख्या में कर्मचारी अधिकारी उपस्थित होकर अपनी मांगो को लेकर धरना दिया, व दोपहर 03 बजे रायपुर - गरियाबंद - देवभोग मुख्यमार्ग से होते हुए संयुक्त जिला कार्यालय गरियाबंद परिसर में महात्मा गांधी के मुर्ति के समक्ष जिला प्रमुख को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा गया है। आयोजित धरना एवं महारैली के कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु विभिन्न संघठनो के प्रमुख एवं सदस्य प्रमुख रूप से आर.के.तलवरे, जला अध्यक्ष कॉलेज राजपत्रिक संघ, एम.आर.खान, छ.ग.तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ, बसन्त त्रिवेदी पन्नालाल देववंशी अध्यक्ष छ.ग.लिपिक संघ, बसंत मिश्रा, जिला सचिव, छ.ग. लिपिक संघ, के साथ सभी संघठनो के सम्मानीय सदस्यगण अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना अमूल्य योगदान दिया है।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत ग्राम खरहरी में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का आयोजन

गरियाबंद(विश्व परिवार)। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत आज आकांक्षी ब्लॉक गरियाबंद के ग्राम खरहरी में कलेक्टर श्री दीपक कुमार अग्रवाल के उपस्थिति में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कलेक्टर श्री अग्रवाल, जनपद अध्यक्ष श्रीमती लालिमा ठाकुर, जनपद उपाध्यक्ष श्री प्रवीण यादव एवं उपस्थित जनप्रतिधियों द्वारा एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधरोपण किया गया। इस दौरान स्कूली बच्चों द्वारा स्वच्छता के संबंध में मानव श्रृंखला बनाकर गांव को स्वच्छ रखने की अपील की गई। कलेक्टर सहित उपस्थित अतिथियों ने स्वच्छताग्राही समूहों को स्वच्छता किट का वितरण किया। सुरक्षा बीमा योजना अंतर्गत श्रीमती दीपिका ध्रुव को दो लाख रूपये का चेक, ग्रामीण बैंक द्वारा 10 मेधावी छात्रों को पुरस्कृत किया गया। साथ ही स्वास्थ्य जांच एवं श्रमिक पंजीयन कार्यक्रम के दौरान किया गया। इस दौरान जनपद अध्यक्ष श्रीमती लालिमा ठाकुर एवं जनपद उपाध्यक्ष श्री प्रवीण यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि दीदियों और ग्रामीणों को अपने घर, मोहल्ले के साथ ही सार्वजनिक क्षेत्रों को भी स्वच्छ रखने की समझाइश दी गई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। हम सभी लोगों को स्वच्छता के लिए अपने घर से शुरुआत करते हुए अपने आसपास को साफ-सफाई रखे। इस दौरान कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि स्वच्छता ही सेवा अभियान 17 सितम्बर से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती 02 अक्टूबर तक चलाया जाएगा। यह अभियान पूरे देश में यह अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को स्वभाव में अपनाने के कारण ही गरियाबंद जिले में बारिश के पूर्व नगरीय निकाय एवं ग्रामीण क्षेत्रों के नालियों एवं कचरे वाले स्थानों को साफ-सफाई कराया गया था। जिसके परिणाम स्वरूप विगत वर्षो की अपेक्षा बीमारियों का प्रकोप कम हुआ है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता सीधे स्वास्थ्य से जुड़ी है। उन्होंने सभी से अपील की कि सभी स्वच्छता को गंभीरता से लेते हुए अभियान के थीम स्वरूप स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता को अपनाएं। स्वच्छता की शुरुआत अपने घर, मोहल्ले से करें। शासन-प्रशासन स्वच्छता के लिए कार्य कर रहीं है। इसके लिए नगरीय निकाय के तर्ज पर ग्रामीण क्षेत्र में भी गीला कचरा एवं सूखा कचरा के निपटान के लिए स्वच्छता हितग्राही घर-घर जाकर कचरा कलेक्शन कर रहे है।

अनाज भण्डारण केन्द्र गोदाम का एसडीएम ने किया निरीक्षण

गोदाम में भंडार कक्ष के रख-रखाव तथा साफसफाई की व्यवस्था को नियमित रूप से सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

दंतेवाड़ा(विश्व परिवार)। आज अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्री जयंत नाहटा के द्वारा चितालंका बाईपास रोड स्थित शासकीय अनाज भण्डारण केन्द्र(स्नष्टड्ड) गोदाम का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टाक रजिस्टर भण्डारित अनाज के रखरखाव को देखा तथा अनाज वितरण में सबसे पुराने लाटों का वितरण पहले करने के निर्देश दिए ताकि भण्डार गृह में बहुत समय तक पुराने लाट न रहे और आमजनों को नए चावल को आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इसके अलावा उन्होंने समय-समय पर क्वालिटी इंस्पेक्टर को नियमित रूप क्वालिटी चेक करने तथा गोदाम में नियमित रूप से साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित रखने को भी कहा साथ ही उन्होंने खाद्यान्न सुरक्षा के लिए भण्डार गृह में निर्धारित सुरक्षा मानकों अनुसार दवाइयों का प्रयोग करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात् एसडीएम द्वारा निरीक्षण के क्रम में केंद्रीय विद्यालय का भी दौरा किया गया। यहां उन्होंने केन्द्र सरकार द्वारा सभी केन्द्रीय विद्यालयों को पीएम श्री स्कूल घोषित किए जाने के फलस्वरूप दिये जाने वाले लाभ-सुविधाओं को छात्रों को प्रदाय करने का निर्देश देते हुए विद्यालय के प्राचार्य को छात्र-छात्राओं हेतु खेल मैदान को ठीक करके उपयोग एवं खेल सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा।

प्रधानमंत्री आवास मिलने से जब्बार खान के घर में आई खुशहाली

मोहला(विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिलने से जब्बार खान के घर में खुशहाली ने दस्तक दी है। उसके चेहरे की चमक और परिवारजनों की चेहरे में मुस्कान झलक रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना उसके परिवार के लिए एक केवल एक घर ही नहीं है, बल्कि उसके सपनों का आशियाना भी है। कच्चे मकान होने से जहां परिवारजनों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता था। वही अब सर्व सुविधायुक्त मकान मिलने से वर्षों का सपना साकार हो सका है। जब्बार खान का कहना है कि उनका एक सपना था कि उनका अपना एक सर्व सुविधा मकान हो, जिसमें परिवारजन खुशहाली के साथ रहे। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उनका यह सपना, सपना बनकर रह गया था। प्रधानमंत्री आवास योजना ने उनके सपने को साकार कर दिया है। यह कहानी मानपुर विकासखंड के ग्राम भर्रीटोला की है। श्री जब्बार खान रोजी मजदूरी कर अपना जीवन यापन करता है। उनके लिए सर्व सुविधायुक्त मकान बनाना आसान नहीं था। केवल वह सपना ही देख सकता था कि उनका अपना एक अच्छा मकान हो। अब यह सपना पूर्ण हो चुका है। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना मिलने पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है।

कुरूद के थुहा और नगरी के मुनईकेरा में किसानों को दलहन-तिलहन फसल लेने किया गया जागरूक

फसल चक्र परिवर्तन अभियान के तहत जिले में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रम

धमतरी(विश्व परिवार)। कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी के मार्गदर्शन में जल एवं पर्यावरण संरक्षण के मद्देनजर फसल चक्र परिवर्तन अभियान के तहत जिले में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में 25 सितम्बर को कुरूद के ग्राम थुहा और नगरी के मुनईकेरा में कार्यक्रम आयोजित किया गया। थुहा में आयोजित कार्यक्रम में सरपंच, ग्राम प्रमुख, बड़ी संख्या में ग्रामीणां और अधिकारी, कर्मचारियों की उपस्थिति में जल जगार कलश पूजन किया गया। इस अवसर पर श्री अंबरीश चन्द्राकर ने कहा कि दलहन-तिलहन फसल में धान की फसल की अपेक्षा पानी की खपत कम होती है। उन्होंने किसान भाईयों से अधिक से अधिक दलहन-तिलहन की फसल लेने प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि आज खेतों में चूहे का प्रकोप अधिक हो रहा है, रबी फसल लगाने आज चूहों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। चन्द्राकर ने यह भी बताया कि फसल के साथ ही खेतों के मेड़ पर छायादार वृक्ष लगाने से उसमें पक्षियों का रहवास होगा, जिससे खेतों में आने वाले चूहों को पक्षी खा सकेंगे। इसके साथ ही दलहन-तिलहन में धान की अपेक्षा अधिक आय होती है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री टीलेश्वर बैस ने कहा कि फसल चक्र परिवर्तन आज की मांग है। बढ़ती हुई महंगाई को देखते हुए खेत में विभिन्न प्रकार के फसलों को समाहित करना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि फसल उगाना ही खेती नहीं है, बल्कि पशुपालन, मुर्गीपालन, मशरूम उत्पादन इत्यादि भी किया जा सकता है, जो कि आय का जरिया है। इस अवसर पर उन्होंने मशरूम उत्पादन की विधि भी बताई। मुनईकेरा में आयोजित फसल चक्र परिवर्तन अभियान के कार्यक्रम में बताया गया कि कम पानी मांग वाली फसलों का उत्पादन ग्रीष्मकालीन धान के बदले किया जाए। इस अवसर पर भूजल स्तर मे हो रही गिरावट, जल के सदुपयोग, भूमि क्षरण रोकने के उपाय, जल संरक्षण की संरचना इत्यादि के बारे में बारिकी से जानकारी ग्रामीणों को दी गई।

बिहान से जुड़कर दिव्यांग जानकी बनी महिलाओं के लिए मिसाल

बैंक सखी बनकर 5 करोड़ तक लेन-देन करने वाली जानकी बनी सफल उद्यमी

कोण्डागांव(विश्व परिवार)। कोण्डागांव जिले के माकड़ी ब्लॉक के ग्राम कालीबेड़ा की रहने वाली दिव्यांग जानकी नाग आज छत्तीसगढ़ की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन चुकी हैं। जानकी बचपन से ही दिव्यांग हैं पर अपनी शारीरिक चुनौतियों के बावजूद उन्होंने जीवन में संघर्ष करते हुए आज समाज में एक सफल उद्यमी के रूप में अपनी पहचान बनाई हैं। जानकी ने अपने आत्मविश्वास के बलबूते दिव्यांगता को अपनी सफलता की राह में रोड़ा बनने नहीं दिया। अपने मजबूत हौसले और आत्मविश्वास के बल पर उन्होंने न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार किया, बल्कि कई ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी दिया। जानकी नाग का जन्म एक साधारण परिवार में हुआ, जहां उनके माता-पिता और तीन भाई रहते हैं। उनके पिता खेती से घर चलाते थे लेकिन आमदनी इतनी नहीं थी कि परिवार की जरूरतें पूरी हो सकें। जानकी ने इन आर्थिक चुनौतियों का सामना करने के लिए वर्ष 2012 में गांव के मां सरस्वती स्व सहायता समूह से जुड़ने का निर्णय लिया। जानकी ग्रेजुएट हैं और उनके समूह की अन्य महिलाएं पढ़ी-लिखी नहीं थीं, इसलिए उन्हें समूह का लेखा-जोखा रखने का काम मिला। यहीं से जानकी की जीवन यात्रा में नया मोड़ आया। जानकी के जीवन में एक बड़ा परिवर्तन तब आया जब उन्होंने बिहान की पीआरपी दीदी से सुना कि वे बैंक सखी बनकर अपने गांव में रहते हुए बैंकिंग सेवाएँ प्रदान कर सकती हैं। नवंबर 2019 में उन्होंने ग्रामीण बैंक की बैंक सखी बनने का निर्णय लिया। यह फैसला उनके लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। बैंक अधिकारियों और बिहान के सहयोग से जानकी ने अपने गाँव में बैंकिंग सेवाएँ शुरू कीं जिससे धीरे-धीरे ग्रामीण उनके पास अपने बैंकिंग लेन-देन के लिए आने लगे। जानकी ने गांव के लोगों को खाता खोलने, पैसे जमा करने, निकासी और ट्रांसफर जैसी बैंकिंग सेवाएं प्रदान कीं। इसके अलावा उन्होंने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और सुरक्षा बीमा योजना के लाभ भी ग्रामीणों तक पहुंचाए। अब तक वह लगभग 250 बचत बैंक खाते खोल चुकी हैं और 3000 मनरेगा मजदूरों और 4000 पेंशनभोगियों को बैंकिंग सेवाओं का लाभ पहुंचा चुकी हैं। इस तरह जानकी अब तक 5 करोड़ तक का लेन देन कर चुकी हैं। जानकी ने 2020 में कॉमन सर्विस सेंटर की सेवाएं भी शुरू कीं जिसके माध्यम से वह ग्रामीणों को आयुष्मान कार्ड, ई-श्रम कार्ड, बिजली बिल भुगतान और मोबाइल रिचार्ज जैसी सुविधाएं प्रदान कर रही हैं। अब तक उन्होंने 450 से अधिक आयुष्मान कार्ड, 200 ईश्रम कार्ड और 500 से अधिक बिजली बिलों का भुगतान किया है। इन सेवाओं के माध्यम से ग्रामीणों को न केवल सुविधाएं मिलीं, बल्कि जानकी को भी अपनी आय बढ़ाने का अवसर प्राप्त हुआ।

व्यापार समाचार

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने अपनी स्टॉर्म सीरीज के स्पेशल एडिशन किए लॉन्च

नईदिल्ली। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने आज भारत की पहली इंटरनेट एसयूवी एमजी हेक्टर के स्पेशल एडिशन स्नोस्टॉर्म और अपनी श्रेणी में भारत की मोस्ट एडवांस्ड एसयूवी एस्टर के ब्लैकस्टॉर्म 2024 लिमिटेड एडिशन को लॉन्च करने की घोषणा की है। अपने आकर्षक एक्सटीरियर और शानदार इंटीरियर के साथ, हेक्टर स्नोस्टॉर्म एसयूवी लवर्स के लिए एकदम सही विकल्प बन गया है, जो एक आकर्षक, और मजबूत कैरेक्टर के साथ टेक्नोलॉजी से लैस वाहन चाहते हैं। प्रीमियम इंटीरियर्स के साथ एस्टर ब्लैकस्टॉर्म का ब्लैक थीम एक्सटीरियर उन ग्राहकों को एक आकर्षक विकल्प प्रदान करता है, जो एक बोल्ड, परिष्कृत और स्टाइलिश एसयूवी चाहते हैं। 5, 6 और 7 सीटर कॉन्फिगरेशन में उपलब्ध, एमजी हेक्टर स्नोस्टॉर्म रेंज की शुरुआत 21,52,80/- लाख रुपए (एक्स-शोरूम) से होती है और एस्टर ब्लैकस्टॉर्म 2024 लिमिटेड एडिशन 13,44,800/- लाख रुपए (एक्स-शोरूम) में आता है। इस लॉन्च पर बोलते हुए, सतिंदर सिंह बाजवा, चीफ कमर्शियल ऑफिसर, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया, ने कहा, आज हम हेक्टर स्नोस्टॉर्म और एस्टर ब्लैकस्टॉर्म एडिशन को लॉन्च करते हुए काफी उत्साहित हैं। ये स्पेशल एडिशन विभिन्न विकल्पों के साथ रोमांचक और इन्नोवेटिव उत्पादों की पेशकश करने के साथ बाजार की मांग और ग्राहकों की पसंद को पूरा करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। स्नोस्टॉर्म एडिशन भारत में हेक्टर की पांच साल की सफल यात्रा को दर्शाता है।

एमेजॉन इंडिया ने श्रम और रोजगार मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत वह एनसीएस पोर्टल पर नौकरी के अवसरों को पोस्ट करेगा

नईदिल्ली। एमेजॉन इंडिया ने आज घोषणा करी कि उसने श्रम और रोजगार मंत्रालय के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। जिसके तहत एमेजॉन और उसके स्टाफिंग एजेंसियों में उपलब्ध नौकरी के अवसरों को पोस्ट करने के लिए मंत्रालय के नेशनल कैरियर सर्विस (एनसीएस) पोर्टल का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे भारत भर में नौकरी चाहने वालों को नौकरी के अवसर देखने में मदद मिलेगी और एमेजॉन इंडिया और इसकी स्टाफिंग एजेंसियों को नौकरियों के अवसर को पोस्ट करने की और एनसीएस पोर्टल से सही उम्मीदवारों को चुनने में भी मदद मिलेगी। एनसीएस पोर्टल पर पंजीकृत नौकरी चाहने वाले एमेजॉन पर उपलब्ध बेहतर अवसरों को आसानी से खोज कर आवेदन कर सकेगे। एमेजॉन श्रम और रोजगार मंत्रालय के एनसीएस पोर्टल के साथ सहयोग करने वाली पहली ई-कॉमर्स कंपनी है। इस साझेदारी का मकसद इच्छुक व्यक्तियों को उनके कौशल और योग्यता के हिसाब से करियर संभावनाओं से जोड़ना है। एनसीएस पोर्टल पर पंजीकृत नौकरी चाहने वाले एमेजॉन के कॉर्पोरेट कार्यालयों और ऑपरेशन नेटवर्क में तरह- तरह की नौकरियों का पता लगा कर उनके कौशल और आकांक्षाओं से मेल खाती नौकरी के लिए आवेदन कर सकेगे। एनसीएस के बड़े पैमाने के डेटाबेस की सहायता से एमेजॉन और इसकी स्टाफिंग एजेंसियां और भी बेहतर तरीके से उम्मीदवार प्रोफाइल प्राप्त करने कर सकेंगी साथ ही उन्हे देशभर में वांछित भूमिकाओं के लिए नियुक्त कर सकेंगी। कंपनी और इसकी स्टाफिंग एजेंसियां महिलाओं और विकलांग व्यक्तियों के साथ - साथ कई कर्मचारियों और सहयोगी समूहों को भी नियुक्त कर सकती हैं। यह सहयोग भारत में नौकरी चाहने वालों और नौकरी देने वालों दोनों के सामने आने वाली भर्ती से जुडी चुनौतियों को दूर करने की दिशा में एक बहुत अहम कदम है। अगर वित्त वर्ष 2024 में देखे तो एनसीएस पोर्टल पर पंजीकृत नौकरी चाहने वालों की कुल संख्या 87 लाख से भी ज्यादा थी।

आईडीबीआई बैंक ने सुगम ऋण भुगतान योजना (एसयूजीएएम) पेश की

नईदिल्ली। आईडीबीआई बैंक ने एक विशेष योजना सुगम ऋण भुगतान योजना (सुगम) शुरू की है। इसके अंतर्गत 31 मार्च, 2021 तक 0.10 करोड़ रुपये से अधिक और 10 करोड़ रुपये तक (पात्रता मानदंड के अधीन) की मूल बकाया राशि वाले उधारकर्ताओं को अपने कर्ज का एकमुश्त भुगतान आसान शर्तों के साथ करने का अवसर दिया जा रहा है, ताकि बैंक के रिटेल एनपीए की रिकवरी में तेजी आ सके। यह उन उधारकर्ताओं के लिए अपने कर्ज का निपटान करने का एक सुनहरा अवसर है, जो संकट से जूझ रहे हैं और कानूनी उलझनों में पड़ना नहीं चाहते। इस योजना का विवरण https://www.idbibank.in/idbi-bank-sugam-rinn-bhugtan-yojana.asp& पर उपलब्ध है।

स्विगी लिमिटेड ने सेबी के पास दाखिल किया यूडीआरएचपी-I

रायपुर। स्विगी लिमिटेड ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के लिए सेबी के पास यूडीआरएचपी-ढ्ढ दाखिल किया है। स्विगी लिमिटेड नए जमाने की, कंज्यूमर-फ़र्स्ट टेक्नोलोजी कंपनी है जो उपयोगकर्ताओं को एक एकीकृत ऐप के माध्यम से उपयोग में आसान सुविधा प्लेटफ़ॉर्म प्रदान करती है। इस प्लेटफ़ॉर्म के जरिये भोजन (फ़ूड डिलीवरी), किराना और घरेलू सामान (इंस्टामार्ट) को ब्राउज़ करने, चुनने, ऑर्डर करने और भुगतान करने की सुविधा मिलती है। कंपनी अपने ऑन-डिमांड डिलीवरी पार्टनर नेटवर्क के माध्यम से लोगों के ऑर्डर को उनके दरवाज़े तक पहुँचाती है। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम में 3,750 करोड़ रुपये तक के नए इश्यू और 1 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य के 185,286,265 इक्विटी शेयरों का ऑफर फॉर सेल शामिल है। शेयरधारकों के समझौते की शर्तों के अनुसार, कंपनी और विक्रय शेयरधारक, बीआरएलएम के परामर्श से, निजी प्लेसमेंट या लागू कानून के तहत अनुमत ऐसे अन्य मार्ग सहित, 750 करोड़ रुपये तक के कैश कंसिडरेशन के लिए अपने विवेक पर, आरओसी के साथ रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल करने से पहले, अपेक्षित अनुमोदन प्राप्त होने के अधीन, यदि कोई हो, निर्दिष्ट प्रतिभूतियों को जारी करने पर विचार कर सकते हैं (प्री-आईपीओ प्लेसमेंट)। यदि प्री-आईपीओ प्लेसमेंट किया जाता है।

राहुल वापसी करेंगे, हमारी भूमिका उन्हें समर्थन देना है: अभिषेक नायर

कानपुर(एजेंसी)। भारतीय टीम कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट की तैयारी कर रही है, ऐसे में सभी की निगाहें केएल राहुल पर हैं, जो लंबे समय तक चोटिल रहने के बाद लाल गेंद के क्रिकेट में अपनी जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। 35 के आसपास औसत और लगातार खराब प्रदर्शन के साथ, राहुल के हालिया फॉर्म ने टीम में उनके स्थान को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, भारतीय बल्लेबाजी कोच अभिषेक नायर अनुभवी बल्लेबाज के फॉर्म में लौटने को लेकर आशावादी हैं। नायर ने महत्वपूर्ण दूसरे टेस्ट से पहले बोलते हुए राहुल की हालिया चुनौतियों को स्वीकार किया, लेकिन कठिन दौर में खिलाड़ियों का समर्थन करने के महत्व पर जोर दिया। नायर ने गुरुवार को प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम सभी जानते हैं कि राहुल किस तरह के खिलाड़ी हैं। उनके पास अनुभव और प्रतिभा है, लेकिन हर क्रिकेटर ऐसे दौर से गुजरता है, जब चीजें ठीक नहीं होतीं। ऐसे समय में कोचिंग टीम के रूप में हमारी भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है - उन्हें आगे बढ़ने में मदद करना, फिर से वह चमक पाना। राहुल ने दुलीप ट्रॉफी की अपनी एकमात्र पारी में शुरुआती सत्र में 111 गेंदों पर 37 रन बनाए। महत्वपूर्ण मौकों पर निर्णायकता की कमी और आक्रामक स्ट्रोक का उपयोग करने की अनिच्छा के कारण उनकी आलोचना की गई। स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाने में उनकी हिचकिचाहट पर लोगों ने सवाल उठाए। दूसरी पारी में 121 गेंदों पर 57 रन की उनकी पारी आंशिक रूप से उनके प्रदर्शन में सुधार थी, क्योंकि उनकी मुख्य जिम्मेदारी बल्लेबाजी के पतन के बीच विकेट को संभाले रखना था; चुनौतीपूर्ण 276 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए आक्रामक होने की कोशिश में अपना विकेट खोना विनाशकारी होता। जब आप भारत के लिए खेल रहे होते हैं, तो प्रेरणा की ज़रूरत नहीं होती। कभी-कभी यह सिर्फ़ दिशा की बात होती है और मुझे लगता है कि केएल ने पिछले कुछ दिनों में उनके साथ थोड़ा समय बिताया है। वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो अपने खेल को बहुत अच्छी तरह समझते हैं। हाँ, कई बार ऐसा होता है जब कोई खिलाड़ी अपने पैर जमा लेता है। मुझे लगता है कि दक्षिण अफ़्रीका में जब वह वहां थे, तो उन्होंने भारत के लिए शानदार पारियाँ खेली थीं। उन्होंने कहा, इसलिए हम गौतम (गंभीर) के संयोजन से बहुत आशान्वित हैं और मैंने उनसे (चर्चा) की है कि उम्मीद है कि हम केएल में भी बदलाव ला पाएंगे। इन चीज़ों में कभी-कभी समय लगता है। लेकिन मुझे लगता है कि जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहे हैं, यहां तक कि पिछले मैच में भी, मुझे पता है कि हमने उन्हें दूसरी पारी में ज़्यादा मौके नहीं दिए। लेकिन जिस तरह से वह दूसरी पारी में बल्लेबाजी कर रहे थे, हम उनसे उसी तरह की क्रिकेट की उम्मीद कर रहे हैं। और मुझे पूरा यकीन है कि आगे चलकर आप उनसे उम्मीदें और प्रदर्शन देखेंगे। हालांकि, चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में राहुल को और भी संघर्ष करना पड़ा, जब वह बीच में सहज नहीं दिखे। भारत के शीर्ष क्रम के ढहने के बाद, 32 वर्षीय खिलाड़ी ऐसे समय में आए जब टीम को एक ठोस साझेदारी की जरूरत थी। उन्होंने 52 गेंदों का सामना करते हुए 16 रन बनाए। प्रशंसकों और पंडितों ने उनकी सोच और उच्च दबाव की स्थितियों में बल्लेबाजी की रणनीति पर सवाल उठाए, क्योंकि उनमें दृढ़ता की कमी थी और वे स्थिति का फायदा उठाने में विफल रहे।

11 रुपये में बिका आईफोन

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत में त्यौहारी सीजन शुरू हो चुका है। आनलाइन शापिंग साइट्स लोगों को कई आफर दे रही है। इस बीच फ्लिपकार्ट को अपने प्रमोशनल डील के कारण यूजर्स का गुस्सा झेलना पड़ रहा है, जिसमें आईफोन 13 को सिर्फ 11 रुपये में बेचा जा रहा था। दरअसल, फ्लिपकार्ट ने अपने 'फास्टेस्ट फिंगर्स फर्स्ट' ऑफर के तहत रात 11 बजे आईफोन 13 को 11 रुपये में पेश किया था। जो खरीदार 'अनबीटेबल प्राइज' पर आईफोन हासिल करने की उम्मीद कर रहे थे, वे निराश और हताश हो गए, कुछ ने शिकायत की कि प्रोडक्ट 'बेचा गया' और 'कुछ ही मिनटों में आउट ऑफ स्टॉक'। वहीं दूसरे ने कहा कि वे स्मार्टफोन को 11 रुपये में खरीदने में सफल रहे, लेकिन बाद में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म द्वारा ऑर्डर रद्द कर दिया गया। जबकि अन्य ने दावा किया कि ऑर्डर करते समय तकनीकी गड़बड़ी का सामना करना पड़ा। फ्लिपकार्ट स्पोर्ट ने एक एक्स उपयोगकर्ता के जवाब में कहा, हम आपकी चिंता समझते हैं। सबसे पहले तीन ग्राहकों ने ही इस ऑफर का फायदा उठाया। लेकिन निराश न हों। आप अभी भी हमारे चल रहे द बिग बिलियन डेज़ के दौरान हर दिन रात 9 बजे और 11 बजे शानदार सौदे पा सकते हैं। आपका धन्यवाद।'

भारत में यूपी के पास हैं सर्वाधिक 75 जीआई टैग

ग्रेटर नोएडा(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में ग्रेटर नोएडा पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी में ऑनलाइन पंजीकरण के बाद यदि कोई एमएसएमई यूनिट आपदा का शिकार होती है, तो राज्य शासन की तरफ से उसे पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। प्रदेश में फ्लैटेड फैक्ट्री और निजी क्षेत्र में प्राइवेट इंडस्ट्रियल पार्क का निर्माण तेजी के साथ बढ़ा है। उन्होंने कहा कि ओडीओपी योजना की सफलता के साथ ही यूपी के पास सर्वाधिक 75 जीआई टैग हैं। प्रोत्साहन के अभाव में जो उत्पाद दम तोड़ रहे थे, आज उसे आगे बढ़ाने का कार्य हो रहा है। यूपी के अलग-अलग सेक्टर में भी अनेक कार्य हुए हैं। यूपी का जो प्रोडक्शन है, उन्हें भी शोकेस का अवसर यूपीआईटीएस उपलब्ध करा रहा है। इस इंटरनेशनल ट्रेड शो में ओडीओपी के तहत एक तरफ जहां अलीगढ़ के तालों का स्टॉल लगा दिखाई दिया, तो दूसरी ओर बांदा के शजर पत्थर भी देखने को मिले। इन पत्थरों की सबसे खास बात यह है कि हर एक पत्थर में एक अलग-अलग चित्रकारी देखने को मिलती है और यह कुदरती होती है। दुनियाभर में यह पत्थर सिर्फ भारत की दो नदियों केन नदी और नर्मदा में ही पाए जाते हैं। अरब देशों में इस पत्थर को हकीक और भारत में स्फटिक कहा जाता है। अलीगढ़ के ताले के स्टॉल पर फैशनेबल और स्ट्रांग तालों की झलक देखने को मिली। जो नए डिजिटल तालों को मात देते हुए दिखाई दे रहे हैं। जीआई सर्टिफाइड इन तालों में अंग्रेजों के जमाने के ताले देखने को मिले। इसको देखकर हर कोई यही कह रहा था कि हाईटेक जमाने में ओल्ड इज गोल्ड पर विश्वास अटूट बना हुआ है।

शाकिब अल हसन ने किया टी20 से संन्यास का ऐलान

भारत के खिलाफ दूसरा मैच हो सकता है उनका आखिरी टेस्ट

मीरपुर(एजेंसी)। बांग्लादेश के दिग्गज ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने टी20 से संन्यास का एलान कर दिया है। इसके अलावा उन्होंने टेस्ट से संन्यास की भी बात कही है। हालांकि, यह अभी तय नहीं है कि वह कब आखिरी टेस्ट खेलेंगे। शाकिब ने खुलासा किया है कि उन्होंने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड से उन्हें मीरपुर में आखिरी टेस्ट खेलने देने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा कि अगर उनकी मीरपुर वाली मांग को मान लिया जाता है तो ठीक है, वरना भारत के खिलाफ कानपुर में खेला जाने वाला टेस्ट मैच उनके करियर का आखिरी टेस्ट मैच होगा। शाकिब भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले कानपुर में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। इस अनुभवी ऑलराउंडर ने तत्काल प्रभाव से टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास की भी घोषणा की। उन्होंने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को अगले महीने मीरपुर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के बाद टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की इच्छा व्यक्त की है। हालांकि, उस सीरीज में खेलने के लिए सुरक्षा मंजूरी हासिल करना शीर्ष ऑलराउंडर पर निर्भर है। यदि शाकिब उस टेस्ट में शामिल नहीं हो पाते हैं, तो भारत के खिलाफ चल रही सीरीज का दूसरा और अंतिम मैच बांग्लादेश के लिए उनका आखिरी टेस्ट हो सकता है। 37 वर्षीय शाकिब बांग्लादेश के दिग्गजों में से एक रहे हैं। उन्होंने बांग्लादेश के लिए 129 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेले हैं। हालांकि, वह फ्रेंचाइजी लीग में खेलना जारी रखेंगे। वह बांग्लादेश के लिए सभी टी20 विश्व कप खेलने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। शाकिब ने कहा, मैंने अपना आखिरी टी20 मैच टी20 विश्व कप में खेल लिया है। हमने चयनकर्ताओं के साथ इस पर चर्चा की है। 2026 विश्व कप को देखते हुए यह मेरे लिए संन्यास लेने का सही समय है। उम्मीद है कि बीसीबी को कुछ बेहतरीन खिलाड़ी मिलेंगे और हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे। शाकिब ने 70 टेस्ट खेले हैं, जिसमें 4600 रन बनाए हैं और 242 विकेट लिए हैं। इनमें पांच शतक और 31 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं, उनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी 36 रन देकर सात विकेट है। उन्होंने टेस्ट में 19 बार पारी में पांच विकेट लिए हैं।

ओला इलेक्ट्रिक ने 'नेटवर्क पार्टनर प्रोग्राम' लॉन्च किया, भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने और #EndICEAge के लिए 600 से ज्यादा पार्टनर्स जोड़े

बैंगलुरू: भारत की सबसे बड़ी प्योर-प्ले ईवी कंपनी, ओला इलेक्ट्रिक ने आज अपना नेटवर्क पार्टनर प्रोग्राम लॉन्च किया। इस प्रोग्राम का उद्देश्य ईवी क्रांति को बढ़ाकर भारत के टियर 2 और टियर 3 शहरों तक ले जाना है, जिसमें वो शहरी इलाके शामिल हैं, जहाँ तक ईवी का विस्तार कम हुआ है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत कंपनी ने भारत में अपने सेल्स के फुटप्रिंट बढ़ाने के लिए 625 पार्टनर्स को जोड़ा है। ओला इलेक्ट्रिक द्वारा इस साल त्योहारों से पहले पार्टनर्स की संख्या को बढ़ाकर 1000 तक ले जाया जाएगा। इसके अलावा, कंपनी ने 2025 के अंत तक अपने सेल्स और सर्विस नेटवर्क में 10,000 पार्टनर्स को जोड़ने की अपनी महत्वाकांक्षी योजना के बारे में भी बताया। 'नेटवर्क पार्टनर प्रोग्राम' द्वारा ओला को अपने प्रतिस्पर्धियों से बढ़त मिलेगी क्योंकि इसके अंतर्गत पार्टनर्स ऑटोमोटिव उद्योग के पारंपरिक डीलरशिप मॉडल के मुकाबले कम निवेश में ज्यादा तेजी से विस्तार कर सकते हैं। इस समय ओला के पास लगभग 800 कंपनी-ओन्ड स्टोर हैं, और 'नेटवर्क पार्टनर प्रोग्राम' के साथ आगामी त्योहारों से पहले इसके पास लगभग 1,800 सेल्स एवं सर्विस टच प्वाईंट्स हो जाएंगे। इस बारे में भाविश अग्रवाल, चेयरमैन एवं एमडी, ओला इलेक्ट्रिक ने कहा, ''हमारा डी2सी मॉडल सस्टेनेबल व्यवसायिक वृद्धि लाने में काफी सफल रहा है।

हेलो गोदरेज - फसल सुरक्षा के लिए गोदरेज एग्रोवेट द्वारा शुरू की गई कृषि परामर्श हेल्पलाइन

मुंबई : भारत के सबसे बड़े तथा विविधीकृत खाद्य एवं कृषि-व्यवसाय समूहों में से एक, गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड (जीएवीएल) ने हाल ही में एक बहुभाषी कृषि परामर्श हेल्पलाइन, 'हेलो गोदरेज' शुरू करने की घोषणा की। यह हेल्पलाइन पर फोन करने से फसल सुरक्षा के लिए फौरन विशेषज्ञता पूर्ण समाधान मुहैया कराया जाएगा। कंपनी कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रयास कर रही है और ऐसे में देश भर के किसानों के लिए आठ क्षेत्रीय भाषाओं ङ्क हिंदी, मराठी, कन्नड़, तेलुगु, तमिल, बंगाली, पंजाबी और अंग्रेजी में उपलब्ध यह नई पहल किसानों को ज़रूरत पड़ने पर उनके खेत पर या फोन पर मदद करेगी। गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, बलराम सिंह यादव ने इस पहल पर अपनी टिप्पणी में कहा, गोदरेज एग्रोवेट में हम जो कुछ भी करते हैं उसके केंद्र में किसान और इनका परिवार ही होता है। बेहतर पैदावार के लिए सही समय पर सही समाधान की उपलब्धता और उपयोग अनिवार्य है, हैलो गोदरेज हमें वास्तविक समय में व्यक्तिगत समाधान प्रदान करके किसानों और कृषि विशेषज्ञों को जोड़ने में मदद करेगा। जलवायु में हो रहे बदलाव और कीटों के बढ़ते हमलों ने किसानों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। खेती में ऐसी लगातार बदलती परिस्थितियों के बीच, किसानों को नए फसल सुरक्षा समाधानों और उनकी पसंदीदा भाषा में व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्रदान करना समय की मांग है। देश भर के किसान हैलो गोदरेज के जरिये अब हमारे कृषि विशेषज्ञों की टीम से सीधे सलाह ले सकते हैं। गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड में फसल सुरक्षा व्यवसाय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, राजावेलु एनके ने कहा, हैलो गोदरेज पहल, कंपनी के भारतीय किसानों के लिए लाभदायक खेती की दिशा में सबसे भरोसेमंद भागीदार बनने के दृष्टिकोण को दर्शाती है। इस पहल का उद्देश्य है, गोदरेज एग्रोवेट के व्यापक अनुभव और विशेषज्ञता के आधार पर किसानों के साथ मज़बूत और भरोसेमंद रिश्ता बनाना, ताकि यह खेती से जुड़ी विश्वसनीय कृषि जानकारी के लिए भरोसेमंद स्रोत बन जाए और इस तरह कृषि क्षेत्र में कंपनी का नेतृत्व बढ़े।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, कांकेर मण्डल, कांकेर
Email - sepwdkanker.2010@rediffmail.com / se.kanker@nic.in, Fax No. 07868-224040

-: ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना :-

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित भवन कार्य हेतु दिनाँक 08.10.2024 समय 17:30 बजे तक ऑनलाईन (**Online**) निविदाएँ आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	एन.आई. टी. नंबर	टेण्डर नंबर	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	2	3	4	5
01	71	158923	अनुविभाग भानुप्रतापपुर के अंतर्गत मुख्यालय खंड एवं भीरागांव सेक्शन में शासकीय आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का साधारण मरम्मत कार्य।	23.00 लाख
02	72	158924	अनुविभाग भानुप्रतापपुर के अंतर्गत कोरर, दुर्गुकोंदल एवं दमकसा सेक्शन में शासकीय आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का साधारण मरम्मत कार्य।	20.00 लाख
03	73	158925	अनुविभाग भानुप्रतापपुर के अंतर्गत उपखंड भीरागांव, कोरर, दमकसा एवं दुर्गुकोंदल में शासकीय आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में रंगाई पोताई एवं पेंटिग कार्य।	19.00 लाख
04	74	158926	अनुविभाग भानुप्रतापपुर के मुख्यालय खंड में शासकीय आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में रंगाई पोताई एवं पेंटिग कार्य।	18.00 लाख
05	75	158927	अनुविभाग भानुप्रतापपुर के मुख्यालय खंड में शासकीय आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में विशेष मरम्मत कार्य।	15.00 लाख

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट बेव पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय बेवसाईट https://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है।

नोटः- प्रथम आमंत्रण
डाऊनलोड करने की अंतिम तिथि 08.10.2024

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, कांकेर
मण्डल कांकेर

जी -242502807/3

विश्व परिवार महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, शनिवार 28 सितंबर 2024

छत्तीसगढ़ में अब तक 1155.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर (विसं)। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2024 से अब तक राज्य में 1155.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून 2024 से आज 27 सितम्बर सवेरे तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 2376.3 मिमी और बेमेतरा जिले में सबसे कम 602.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है।

संक्षिप्त समाचार

रायपुर नगर निगम में कार्यरत कर्मचारियों एवं अधिकारियों का एक दिवसीय धरना प्रदर्शन

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर नगर निगम में कार्यरत कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने आज एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। कर्मचारी हित में संघ की मुख्य मांगो को लेकर रायपुर नगर निगम में कार्यरत कर्मचारी एवं अधिकारी आज सुबह 11 बजे मुख्यालय नगर पालिक निगम के सामने वाले उद्यान में उपस्थित हुए तथा चार सूत्रीय मांगों को लेकर सभी कर्मचारी संघ के साथियों ने उद्यान से लेकर बुढ़ा तालाब इंडोर स्टेडियम तक रैली निकाली जिसका उन्हे भरपूर समर्थन मिला कर्मचारियों की मांग इस प्रकार है- नगरीय निकयों में प्रत्येक माह की 1 तारिख को वेतन भुगतान ट्रेजरी के माध्यम से सुनिश्चित हो। नगरीय निकायों में अन्य विभाग की भांति ओल्ड पेंशन योजना शीघ्र ही लागू किया जावे। सामान्य प्रशसन विभाग एवं वित्त विभाग, छत्तीसगढ़ द्वारा जारी आदेश/निर्देश जिस तिथि से जारी हो उस तिथि से आदेश निर्देश समस्त नगरीय निकायों में पूर्णत: लागू हो। नगरीय निकायों में मृतक कर्मचारी के परिवारों को शीघ्र ही संभाग स्तर में रिक्त पद पर अनुकंपा नियुक्ति प्रदान किया जावे। नगरीय निकायों के कर्मचारियों को 6वें व 7वें वेतनमान की एरियर्स की राशि का भुगतान होवे।

रायपुर इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ने श्री रामकृष्ण मिशन की 125वीं वर्षगांठ पर प्रेरणादायक सेमिनार का आयोजन किया

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ने श्री रामकृष्ण मिशन की 125वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक प्रेरणादायक सेमिनार का आयोजन किया। इस सेमिनार में स्वामी विवेकानंद के बौद्धिक और आध्यात्मिक विचारों की चर्चा की गई, जो आज भी आधुनिक चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरणा और व्यावहारिक समाधान प्रदान करते हैं। इस कार्यक्रम में प्रमुख वक्ताओं, डॉ. ओमप्रकाश वर्मा और डॉ. सोनेकर, ने स्वामी विवेकानंद और श्री रामकृष्ण परमहंस की शिक्षाओं पर अपने गहरे विचार साझा किए। उन्होंने अपने भाषणों में कर्म, ज्ञान और आध्यात्मिकता के महत्व पर जोर दिया, जो व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में बहुत प्रासंगिक हैं। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में डॉ. समीर ठाकुर ने भी भाग लिया, जिससे चर्चाओं को और भी गहराई मिली। संस्थान के अध्यक्ष स्वरूपचंद जैन, सचिव शैलेन्द्र जैन, प्राचार्य डॉ. मनीष सखलेचा और एच.ओ.डी (बायोटेक्नोलॉजी) डॉ. तनुश्री चटर्जी, डॉ. समीर ठाकुर, डॉ. बी.एल. सोनेकर, डॉ. ओमप्रकाश वर्मा, फैकल्टी और छात्रों की उपस्थिति ने इस आयोजन को सभी के लिए एक यादगार और प्रेरणादायक अनुभव बना दिया।

राज्य में सहायक उपनिरीक्षक (एम) के 263 पदों पर होगी भर्ती

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर वित्त विभाग ने दी मंजूरी

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार शासकीय विभागों में रिक्त विभिन्न संवर्ग के पदों की भर्ती के लिए वित्त विभाग से मंजूरी से लेकर विज्ञापन जारी करने और परीक्षाओं के आयोजन के प्रक्रिया अनवरत रूप से जारी है। इसी तारतम्य में पुलिस विभाग में सहायक उपनिरीक्षक (एम) के 263 पदों पर भर्ती को वित्त विभाग ने मंजूरी दी है।

गौरतलब है कि गृह विभाग द्वारा सहायक उपनिरीक्षक (एम) की भर्ती के लिए प्रस्ताव वित्त विभाग को भेजा था, मुख्यमंत्री के निर्देश पर वित्त विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इसकी स्वीकृति प्रदान कर दी है। सहायक उप निरीक्षक के विभिन्न रेंज में 213 पदों को मंजूरी दी गई है। इसमें पुलिस मुख्यालय सामान्य शाखा में 40, रायपुर रेंज में 20, बिलासपुर रेंज में 48, बस्तर रेंज में 28, दुर्ग रेंज में 10, सरगुजा रेंज में 35 और राजनांदगांव में 32 पद शामिल हैं। इसके साथ ही पुलिस मुख्यालय में कनिष्ठ श्रेणी, शीघ्रलेखक/सूबेदार (एम) के 50 पदों पर भर्ती को स्वीकृति दी गई है। यहां यह उल्लेखनीय है कि गृह विभाग में सूबेदार, उप पुलिस निरीक्षक, प्लाटून कमांडर, नगर सैनिक सहित कुल 806 पदों पर भर्ती के लिए वित्त विभाग द्वारा पूर्व में स्वीकृति दी जा चुकी है। सहायक उपनिरीक्षक की भर्ती के लिए स्वीकृत पदों को शामिल करने के बाद गृह विभाग के अंतर्गत विभिन्न संवर्ग के कुल 1069 पदों की भर्ती की मंजूरी वित्त विभाग से मिल चुकी है। इनमें से कुछ संवर्ग के पदों की पूर्ति के लिए भर्ती की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश के परिपालन में अब तक राज्य शासन के विभिन्न विभागों द्वारा कुल 3737 पदों पर भर्ती के लिए वित्त विभाग ने मंजूरी दी है, जिनमें लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में 181, स्वास्थ्य विभाग में 1201, आदिम जाति कल्याण विभाग में 300, वन विभाग में 66, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग आजीविका मिशन के अंतर्गत विभिन्न संवर्ग के 237, विधि विभाग के अंतर्गत न्यायालयों में व्यवहार न्यायाधीश सहित अन्य संवर्ग के कुल 362 पदों की स्वीकृति के साथ ही कृषि विभाग के अंतर्गत 321 ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी की भर्ती प्रक्रिया जारी हैं।

रायपुर जिला पंचायत को बनाया जायेगा नंबर वन क्षेत्र : बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर जिला पंचायत सामान्य सभा की बैठक में शामिल हुए सांसद

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर जिला पंचायत क्षेत्र के विकास को लेकर शुक्रवार को जिला पंचायत रायपुर की सामान्य सभा की बैठक हुई। जिसमें सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने सभी स्कूलों में साइंस, गणित, जीवविज्ञान, कामर्स एवं आर्टस संचालित करने के निर्देश दिए। श्री अग्रवाल ने अधिकारियों को ऐसे स्कूलों की सूची बनाने के निर्देश दिए जहां आर्ट्स और कॉमर्स नही है, और अगले शिक्षा सत्र में सभी विषयों के क्लास संचालित करना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी कहा की स्कूलों में एलुमिनी मीट का आयोजन कर भूतपूर्व छात्रों से भी स्कूल के विकास के लिए मदद ली जाए।

बैठक में बीज निगम द्वारा खराब क्वालिटी के बीज किसानों को हुए नुकसान पर नाराजगी जताते हुए विभागीय अधिकारियों को किसानों को तुरंत मुआवजा दिलाने के निर्देश दिए। साथ ही पंचायत सदस्यों द्वारा अवैध शराब बिक्री का मामला भी उठाया गया, जिस पर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने आबकारी अधिकारी को पुलिस के साथ अवैध शराब बिक्री रोकने और भाटागांव स्थित स्कूल के पास वाली दुकान को कहीं और स्थानांतरित करने को कहा।

श्री अग्रवाल ने पंचायत सदस्यों की शिकायत पर खनन विभाग के अधिकारियों को अवैध उत्खनन रोकने और जिन खदानों का लाइसेंस समाप्त हो गया है उन्हें चिन्हित कर भरने तथा वहां पौधारोपण करने के निर्देश दिए। श्री अग्रवाल का कहना है कि, रायपुर जिला पंचायत क्षेत्र को नंबर वन बनाने के लिए तेजी से कार्य योजना बनाई जाएगी जिससे दूसरे क्षेत्र के लोग भी प्रेरित होकर अपने क्षेत्र का विकास करेंगे।

बैठक की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष, श्रीमती डोमेश्वरी वर्मा ने की। बैठक में मंत्री श्री टंक राम वर्मा, विधायक गुरु खुशवंत साहेब, विधायक श्री अनुज शर्मा, जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप समेत जिला पंचायत सदस्य, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सिंचाई, समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास, आबकारी विभाग के अधिकारी और गणमान्यजन उपस्थित रहे।

आंजनेय विश्वविद्यालय में पत्रकारिता और समकालीन मुद्दों पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का शुभारंभ

प्रेस क्लब रायपुर के सहयोग से आयोजित इस वेबिनार का उद्देश्य पत्रकारिता के नवांकुर छात्रों एवं पत्रकारों को समकालीन मुद्दों की गहन समझ प्रदान करना है

रायपुर (विश्व परिवार)। आंजनेय विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग और प्रेस क्लब रायपुर के तत्वावधान में पत्रकारिता और समकालीन मुद्दे विषय पर तीन दिवसीय नेशनल वेबिनार की शुरुआत हुई। उद्घाटन सत्र में रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष प्रफुल्ल ठाकुर मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। उन्होंने समकालीन पत्रकारिता के मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज की पत्रकारिता एक परिवर्तनशील दौर से गुजर रही है, जहां नैतिक मूल्यों के साथ संघर्ष देखने को मिल रहा है। इसके बावजूद, पत्रकारिता अभी भी अपने नैतिक सिद्धांतों पर टिकी हुई है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है और इस महत्वपूर्ण भूमिका को निभाते हुए पत्रकारों का कर्तव्य है कि वे अपने कार्यों को हमेशा जनता और राष्ट्र के हित में करें। सही, सटीक और निष्पक्ष समाचारों का प्रसारण पत्रकारिता का मूल मंत्र है। ठाकुर ने पिछले चार-पांच वर्षों में पत्रकारिता में आए परिवर्तनों पर भी प्रकाश डाला, विशेषकर ग्राउंड रिपोर्टिंग और फील्ड रिपोर्टिंग के बढ़ते महत्व पर अपने विचार सांझा किये। पत्रकारिता को आज के दौर में नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन इसके मूल सिद्धांतों को बनाए रखना बेहद आवश्यक है।

वेबीनार के पहले तकनीकी सत्र में हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉ. साकेत कुमार ने डायवर्सिटी एंड रिप्रेजेंटेशन इन मीडिया विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि मीडिया में विविधता और प्रतिनिधित्व एक ऐसा विषय है जो आधुनिक समाज में अत्यंत महत्वपूर्ण है। मीडिया किसी भी समाज का आईना होता है और यह जनता की धारणाओं, विश्वासों और दृष्टिकोणों को आकार देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मीडिया का दायित्व है कि वह समाज के सभी वर्गों का सही और समग्र प्रतिनिधित्व करे। हालाँकि, हमारे मुख्यधारा के मीडिया में हाशिए पर पड़े समूहों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व अक्सर सीमित होता है। लेकिन आज मीडिया इस दिशा में सुधार कर रहा है और इन समूहों के लिए अपनी आवाज़ उठा रहा है।

तीसरे सत्र में, सरला बिरला विश्वविद्यालय, रांची के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के अध्यक्ष, सुधीर कुमार ने मीडिया पूर्वाग्रह (मीडिया बायस) पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने मीडिया पूर्वाग्रह के नौ सी कवरेज, कंटेंट, कॉन्टेक्स्ट, स्पष्टता, सुसंगतता, विश्वसनीयता, चॉइसेज, परिणाम, नियंत्रण के बारे में भी जानकारी दी। साथ ही उन्होंने पत्रकारिता के क्षेत्र में नवागंतुक पत्रकारों और छात्रों को यह सलाह दी कि वे हमेशा परिणामों की त्वरित अपेक्षा न करें, क्योंकि पत्रकारिता एक जटिल प्रक्रिया है जिसमें समय और परिश्रम की आवश्यकता होती है। वहीं मीडिया सेंसरशिप के मुद्दे पर भी गंभीरता से चर्चा की, यह बताते हुए कि सेंसरशिप न केवल पत्रकारिता की स्वतंत्रता को बाधित करती है, बल्कि यह समाज के समक्ष वास्तविकता को प्रस्तुत करने में भी रुकावट डालती है। इस सत्र में उपस्थित छात्रों और पत्रकारों को इन मुद्दों पर गहराई से सोचने और अपनी जिम्मेदारियों को समझने के लिए प्रेरित किया गया, जिससे वे एक सक्षम और संवेदनशील पत्रकार बन सकें।

दोनों सत्रों में प्रतिभागियों के लिए प्रश्न-उत्तर सत्र भी आयोजित किए गए। विश्वविद्यालय के डायरेक्टर जनरल, डॉ. बी. सी. जैन ने वेबिनार की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। विश्वविद्यालय के कुलपति, डॉ. टी. रामाराव ने कहा, पत्रकारिता और समकालीन मुद्दों विषय पर विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग और प्रेस क्लब रायपुर के तत्वावधान में आयोजित इस राष्ट्रीय वेबिनार से सार्थक संवाद स्थापित होगा जो पत्रकारिता और इस क्षेत्र में प्रवेश करने वाले छात्रों की समझ में सहायता प्रदान करेगा। वेबिनार के संयोजक व पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के सहायक प्राध्यापक, विनोद सावंत ने बताया कि तीन दिन तक चलने वाले इस बेवीनार में शुक्रवार को दो तकनीकी सत्रों में समाचार में गलत जानकारी और भ्रामक सूचना तथा पत्रकारिता का भविष्य: एआई और मीडिया विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिया जाएगा। ऑर्गनाइज़र सेक्रेटरी व पत्रकारिता एवं जनसंचार विभागाध्यक्ष, डॉ. राहुल तिवारी ने कहा, हमारे विभाग का प्रयास है कि हम पत्रकारिता के नवांकुर छात्रों को पत्रकारिता के सिद्धांतों के साथ ही 'पत्रकारिता और समकालीन मुद्दों' पर गहन विश्लेषण क्षमता प्रदान कर सकें, जिसके लिए हम निरंतर प्रयास कर रहे हैं।

ईएसआईसी कार्यालय, रायपुर में निधि आपके निकट 2.0 का सफल आयोजन और पीपीओ का वितरण

रायपुर (विश्व परिवार)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) द्वारा आज ईएसआईसी कार्यालय, रायपुर में निधि आपके निकट 2.0 कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य हितधारकों के साथ संवाद को मजबूत करना और शिकायत निवारण तंत्र को बेहतर बनाना था। नियोक्ता, कर्मचारी, पेंशनभोगी और अन्य हितधारकों ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

इस कार्यक्रम मेंश्री वी. रंगनाथ, अतिरिक्त केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त(एडिशनलसीपीएफसी), श्री अभिषेक कुमार, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त (आरपीएफसी), श्री महेंद्र एच. मेस्राम, क्षेत्र प्रवर्तन अधिकारी और ईएसआईसी, रायपुर कार्यालय के रीजनल डायरेक्टरश्रीमहेंद्र भोईकी गरिमामयी उपस्थिति रही। इन अधिकारियों की भागीदारी ने ईपीएफओ की पारदर्शिता, बेहतर सेवाओं और हितधारकों की शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाया।

इस कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षणपेंशन भुगतान आदेश (PPO) का वितरण रहा। श्री वी. रंगनाथन और श्री अभिषेक कुमार ने पात्र पेंशनभोगियों को पीपीओ प्रदान किया, जिससे उन्हें पेंशन प्राप्त करने में सुविधा हो। पीपीओ का वितरण ईपीएफओ के द्वारा अपने पेंशनधारकों की सेवा में किए जा रहे सुधार और उनकी पेंशन प्रक्रिया को अधिक सरल और सुगम बनाने के प्रयासों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। पेंशनभोगियों ने इस पहल की सराहना की और इसे ईपीएफओ की ओर से एक सकारात्मक कदम बताया। कार्यक्रम के दौरान भविष्य निधि, पेंशन, और नियोक्ता-कर्मचारी संबंधों से संबंधित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई।श्री वी. रंगनाथनने निधि आपके निकट पहल की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि यह संगठन और उसके सदस्यों के बीच संवाद को और अधिक सहज बनाता है। उन्होंने डिजिटल माध्यमों द्वारा सेवाओं की आसान उपलब्धता के लिए ईपीएफओ द्वारा किए जा रहे नवाचारों पर प्रकाश डाला। श्री अभिषेक कुमारने उपस्थित नियोक्ताओं और कर्मचारियों की शंकाओं का समाधान किया और बताया कि ईपीएफओ अपने प्रक्रियाओं को निरंतर बेहतर बनाने के लिए प्रयासरत है।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी ने विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया

फार्मासिस्ट: वैश्विक स्वास्थ्य आवश्यकताओं की पूर्ति थीम पर आधारित तीन दिवसीय कार्यक्रम किया गया आयोजित

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी ने फार्मेसी विभाग द्वारा आयोजित 25 सितंबर से 27 सितंबर तक तीन दिवसीय कार्यक्रम के साथ विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया। इस वर्ष की वैश्विक थीम, फार्मासिस्ट: वैश्विक स्वास्थ्य आवश्यकताओं की पूर्ति का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में फार्मासिस्टों की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करना और छात्रों और समुदाय के बीच स्वास्थ्य और कल्याण में उनके योगदान के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। इस उत्सव ने वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान करने में फार्मेसी के महत्व के बारे में जुड़ाव और समझ को बढ़ावा दिया।

कार्यक्रम का पहला दिन फार्मेसी जागरूकता रैली और यूनिवर्सिटी परिसर में शपथ ग्रहण समारोह के साथ शुरू होता है। इसके बाद वैज्ञानिक पोस्टर प्रस्तुतियाँ, वाद-विवाद, तात्कालिक भाषण और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं सहित कई प्रतिस्पर्धी गतिविधियाँ हुईं। इन कार्यक्रमों ने छात्रों के ज्ञान और रचनात्मकता को उजागर किया, उन्हें स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और सहयोग की भावना को बढ़ावा देते हुए फार्मेसी और स्वास्थ्य सेवा के विभिन्न आयामों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम के दूसरे दिन रंगोली बनाने की प्रतियोगिता और वैज्ञानिक कार्यशील मॉडल प्रस्तुतियाँ आयोजित की गईं, जिसमें रचनात्मकता और नवाचार दोनों का प्रदर्शन किया गया। इसके बाद एक जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ जिसमें छात्रों ने एकल और समूह नृत्य प्रस्तुत किए, जिसमें यूनिवर्सिटी के छात्र निकाय की विविधता और उत्साह पर प्रकाश डाला गया। इन प्रदर्शनों ने कलात्मक अभिव्यक्ति के लिए एक मंच प्रदान किया और प्रतिभागियों के बीच सौहार्द को बढ़ावा दिया, जिससे एक आनंदमय और समावेशी माहौल बना। समारोह के अंतिम दिन प्रमुख वक्ताओं ने भाग लिया, जिनमें मुख्य अतिथि डॉ. प्रीति के. सुरेश, निदेशक, एचआरडीसी, पंडित रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी और विशेष अतिथि डॉ. तृप्ति जैन, सहायक औषधि नियंत्रक, रायपुर सीजी शामिल थे। उन्होंने वैश्विक स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने में फार्मासिस्टों की उभरती भूमिका पर चर्चा करते हुए कार्यक्रम की थीम पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की।

रायपुर रेल मंडल में सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि-सतर्कता सेमीनार का आयोजन

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, मुख्यालय विजिलेंस विभाग द्वारा सतर्कता सेमीनार (कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम)

वरिष्ठ उप महाप्रबंधक, मुख्य सतर्कता अधिकारी, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मनोज गुरुमुखी ने अधिकारियों-कर्मचारियों को रेल और देश हित में ईमानदारी से कार्य निर्वहन के लिए प्रेरित किया

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर रेल मंडल में दिनांक 27 सितंबर 2024 को तीन माह के सतर्कता अभियान (16 अगस्त, 2024 से 15 नवम्बर, 2024) के तहत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, मुख्यालय विजिलेंस विभाग द्वारा सतर्कता जागरूकता सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि सेमिनार (संगोष्ठी) का आयोजन किया गया। वरिष्ठ उप महाप्रबंधक मुख्य सतर्कता अधिकारी, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर श्री मनोज गुरुमुखी के नेतृत्व में मुख्यालय से आए सतर्कता अधिकारियों ने अपने-अपने कार्य क्षेत्र से संबंधित विषयों पर प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी एवं रेलवे के विभिन्न कार्यों के दौरान कार्यों में पाई गई अनियमिताओं में सुधार पर प्रेजेंटेशन दिया।

सेमिनार में श्री मनोज गुरुमुखी, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा सभा में उपस्थित अधिकारियों एवं सुपरवाइजर कर्मचारी को उद्बोधन में जीवन के मूल्य, देश-रेल-परिवार के आपसी सामंजस्य को उदाहरण स्वरूप समझाकर अपने दैनिक कार्यकलापों में सेवा रूपी भावना से ईमानदारी सत्यनिष्ठा के साथ कार्य करने हेतु प्रेरित किया रेलवे के कोड आफ कंडक्ट का ध्यान रखें, नियमो का पालन करें, अपनी जिम्मेदारी समझे, यात्रियों एवं रेल उपभोक्ताओं में विश्वास एवं विश्वसनीयता बनाए रखें मात्र कुछ लोगों की गलत कार्यों के कारण पूरे रेल विभाग की बदनामी होती है ऐसे लोगों को अपने बीच से उजागर करें और देश को समृद्ध बनाने में योगदान करें, रेलवे संगठन आज नवाचार से गुजर रहा है अपने आप को इस नवाचार में ढालने और अपने आप को अपग्रेड करने से ही रेलवे की उन्नति एवं देश की उन्नति है। अपने कार्यों में पारदर्शिता रखें ताकि आपकी बेहतरीन परफॉर्मेंस से रेल और देश को फायदा हो कर्म ही पूजा है रेल परिवार के हम सब सदस्य हैं अपने कार्य को सत्यनिष्ठा - ईमानदारी से कर जनता की सेवा करनी है मेहनत के जरिए आगे बढ़ाना, नई-नई उपलब्धियां हासिल करना, आज के समय में कम्युनिकेशन बहुत फास्ट है हमें यात्रियों सहित सभी का विश्वास जीतना हैं।

मंडल रेल प्रबंधक, श्री संजीव कुमार द्वारा सभी को अपनी कार्य शैली में सत्य निष्ठा का समावेश करते हुए कार्य करने पर जोर दिया गया ताकि राष्ट्र समृद्धि की ओर अग्रसर हो सके अपने आप को तराशे देश हित सर्वोपरि हैं कार्य शैली में सुधार से और भी बेहतरीन सुविधा यात्रियों को दे पाएंगे जो भी कार्य करें नियमों के अनुरूप निष्पादित करें ताकि पारदर्शिता बनी रहे लोगों के बीच ईमानदार छवि जागृत हो।

उक्त सेमिनार में वरिष्ठ उप महाप्रबंधक श्री मनोज गुरुमुखी, मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार, अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा) श्री आशीष मिश्रा, अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) श्री बजरंग अग्रवाल, सहित मुख्यालय से आए हुए सभी उप मुख्य सतर्कता अधिकारी विजिलेंस इंस्पेक्टर सहित रायपुर रेल मंडल के अधिकारी कर्मचारी सुपरवाइजर उपस्थित रहे। उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (इलेक्ट्रिक एंड स्टोर) श्री ए चटर्जी, उप मुख्य सतर्कता अधिकारी सतर्कता अधिकारी (इंजीनियरिंग) श्री नारायण लाल, उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (स्टोर) श्री तारेश मेश्राम, उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (ट्रैफिक) श्री अनंत रमन शर्मा सहायक सतर्कता अधिकारी कार्मिक श्री आरके गुप्ता ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से दैनिक कार्यों के दौरान होने वाली अनियमिताओं को सतर्कता से खत्म किया जा सकता है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354